



संक्षिप्त समाचार

भारत का 'फॉर्मूला' खत्म कराएगा यूक्रेन-रूस युद्ध!

विदेश मंत्री ने की तारीफ, बोलें- दिल्ली का शांति प्रस्ताव सबसे बेहतरीन कीव (एजेंसी)। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने रूस से चल रहे युद्ध को खत्म कराने के लिए भारत से मिले प्रस्ताव की जमकर तारीफ की है। उनका कहना है कि फरवरी 2022 में रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू होने के बाद पहली बार भारत ने युद्ध खत्म करने के लिए एक व्यापक और विस्तृत प्रस्ताव पेश किया है। उन्होंने कहा कि चार अंतरराष्ट्रीय प्रस्तावों में से दिल्ली की ओर से मिला प्रस्ताव सबसे व्यापक है। कीव में पत्रकारों से बात करते हुए सिबिहा ने कहा, हमारे पास चार प्रस्ताव हैं। सबसे व्यापक प्रस्ताव भारत का है। पहली बार भारत ने इसमें भूमिका निभाने की इच्छा जताई है। यूक्रेन ब्लोक सी (काला सागर) में ऊर्जा और कृषि से जुड़े समझौते (ट्रस) के लिए तैयार है, और संपर्क रेखा (लाइन ऑफ कॉन्टैक्ट) पर बिना शर्त युद्धविराम पर भी विचार कर रहा है। भारत के अलावा, यूक्रेन को तुर्की, मिस्र और अमेरिका से भी संभावित युद्धविराम के प्रस्ताव मिले हैं। सिबिहा के अनुसार, यूक्रेन युद्धविराम के लिए इस शर्त पर सहमत होगा कि इसमें ऊर्जा और बंदरगाह के बुनियादी ढांचे शामिल हैं।

अब बिहार में एक करोड़ महिलाएं बनेंगी लखपति

● 'समृद्ध महिला-समृद्ध बिहार' योजना के तहत मिलेगा 5-5 लाख का लोन

पटना (एजेंसी)। बिहार की एक करोड़ महिलाएं अब लखपति बनेंगी। इसके लिए राज्य सरकार की ओर से विशेष कार्य योजना तैयार की गई है। समृद्ध महिला-समृद्ध बिहार योजना के तहत राज्य की 10 लाख महिलाओं को 5-5 लाख का लोन उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे व्यवसाय कर वो आर्थिक समृद्धि हासिल कर सकती हैं। ग्रामीण विकास विभाग



की ओर से शुरू हो रही समृद्ध महिला-समृद्ध बिहार योजना के तहत वर्तमान में राज्य में लखपति दीर्घियों की संख्या करीब 50 लाख हो चुकी है। इस अभियान में 10 लाख महिला उद्यमियों को बैंकों और वित्तीय संस्थानों के - माध्यम से पांच लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता दी जायेगी। इसके अलावा राज्य की 60 लाख महिलाओं को पशुपालन और उससे जुड़े क्षेत्रों में सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना के लिए प्रेरित किया जायेगा और उन्हें भी सहयोग दिया जायेगा। 25 लाख महिला-केंद्रित मैनुफैक्चरिंग और सूक्ष्म उद्यम स्थापित होंगे- औद्योगिक और निर्माण क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए 25 लाख महिला-केंद्रित मैनुफैक्चरिंग और सूक्ष्म उद्यम स्थापित करने का प्रस्ताव है।

2029 तक एमपी को करेंगे नशामुक्त, शाह ने किया वादा

● गृहमंत्री ने कहा-देश के टॉप 5 दूध उत्पादक राज्य बीजेपी शासित ● कहा-कांग्रेसियों ने 75 साल तक सहकारिता मंत्रालय बनने नहीं दिया

शाह ने कहा-

नशामुक्ति के लिए बारीक प्लानिंग करना चाहते हैं

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा- मेरी एक मीटिंग मुख्यमंत्री और गृह विभाग के साथ है। हम मध्य प्रदेश को नशा मुक्त बनाना चाहते हैं। मध्य प्रदेश नारकोटिक्स से मुक्त हो जाए 31 दिसंबर 2029 के पहले, इस प्रकार की बारीक प्लानिंग आज हम करना चाहते हैं। मैं मध्य प्रदेश के सारे अभिभावकों को, विशेष कर माताओं को कहने आया हूँ। 31 दिसंबर 2029 के बाद आपके बेटे-बेटी के लिए मध्य प्रदेश में नशे की जगह ही नहीं होगी, उनका उज्ज्वल भविष्य होने वाला है। शाह ने कहा- देश आजाद हुआ तब से मांग थी कि भारत सरकार में एक स्वतंत्र सहकारिता मंत्रालय बने, मगर कांग्रेसियों ने 75 साल तक बनने नहीं दिया। नरेंद्र मोदी ऐसे प्रधानमंत्री आए, जिन्होंने अलग सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की।

आपके बेटे-बेटी के लिए नशे की जगह नहीं होगी-

केंद्रीय मंत्री ने कहा- मेरी एक मीटिंग मुख्यमंत्री और गृह विभाग के साथ है। मध्यप्रदेश 31 दिसंबर 2029 के पहले नारकोटिक्स से मुक्त हो जाए, इस प्रकार की बारीक प्लानिंग आज करना चाहते हैं। मध्यप्रदेश के सारे अभिभावकों को, विशेष कर माताओं को कहने आया हूँ आपके

भोपाल (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि मध्य प्रदेश को 31 दिसंबर 2029 तक नशामुक्त करेंगे। भोपाल के भेल दशराह मैदान पर हुए 11 जिलों के करीब 35 हजार गोपालकों के सम्मेलन में उन्होंने गोशालाओं को 101 करोड़ दिए। उज्जैन में बन रहे 255 करोड़ के डेयरी प्लांट का वर्चुअली भूमिपूजन किया। शाह भौरी में आइसर के अत्रि परिसर का शिलान्यास और स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का अनावरण भी किया।

कांग्रेसी विरोध करते हैं, मैं हिसाब देने आया हूँ-

शाह ने कहा- कांग्रेसी हमारा विरोध करते हैं। मैं आज उनको हिसाब देने आया हूँ। आपने 75 साल में देश में दूध का कुल उत्पादन 14 करोड़ 7 लाख टन पहुंचाया था। मोदी जी ने 10 साल में 25 करोड़ तक पहुंचाने का काम किया है। ये इसलिए होता है कि भाजपा की केंद्र और राज्य सरकारें लगन से काम कर रही हैं। प्रति व्यक्ति दूध उत्पादन 2014-15 में 307 ग्राम था, अब 58 प्रतिशत बढ़कर 485 ग्राम पर पहुंच गया है। हमारा देश दुनियाभर में सबसे ज्यादा दूध उत्पादन करने वाला देश बना है। इसमें पहले 5 राज्य- उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र बीजेपी शासित ही हैं।

एशियन गेम्स

शनिवार को भी 'छाए' रहे भारतीय

● मैस क्रिकेट, हॉकी, गोल्फ व तीरंदाजी में गोल्डेन धमाका ● रेसलर अमन सहरावत ने भी चला सोने वाला दांव

प्रणवी उर्स ने जीता गोल्ड, पहली भारतीय महिला गोल्फर बनीं

नामोया में भारत की प्रणवी उर्स ने विमेंस इंडिविजुअल गोल्फ में गोल्ड मेडल जीता। वह एशियन गेम्स में गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला गोल्फर बन गईं। उन्होंने चार राउंड में 15 अंडर 265 का स्कोर किया। प्रणवी ने फाइनल राउंड में 70 का स्कोर किया। तीसरे होल पर

महिला के बाद पुरुष हॉकी टीम ने भी जीता गोल्ड- एशियन गेम्स 2026 के फाइनल में भारतीय टीम ने मलेशिया को 5-1 से हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह और गुजराज सिंह ने गोल किए। ये दोनों गोल पेनल्टी कॉर्नर पर आए। भारतीय पुरुष टीम एशियन गेम्स में लगातार दूसरी बार गोल्ड मेडल जीती है। इसके साथ ही इतिहास रच दिया है।

कुमुकुम मोहोद ने शूट-ऑफ में गोल्ड जीता-

महिला रिकर्व के फाइनल में भारत की कुमुकुम मोहोद ने शूट-ऑफ में साउथ कोरिया की ओह ये जिन को हराकर गोल्ड मेडल जीत लिया। शूट-ऑफ में ओह ये जिन ने 8 का निशाना लगाया, जबकि कुमुकुम ने 10 अंक हासिल किए। इसके साथ ही कुमुकुम एशियन गेम्स की वैपियन बन गईं। कुमुकुम महिला रिकर्व व्यक्तिगत स्पर्धा में मेडल जीती है।

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने एशियन गेम्स में 21वां गोल्ड मेडल जीत लिया है। पुरुष हॉकी टीम ने फाइनल मुकाबले में मलेशिया को 5-1 से हराया। शनिवार को भारत ने मैस क्रिकेट, आर्चरी, गोल्फ और कुश्ती में भी 1-1 गोल्ड जीता। भारत अब 21 गोल्ड सहित कुल 85 मेडल के साथ टैली में चौथे स्थान पर आ गया है। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह 11वें और गुजरात 23वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागे। वहीं, 14वें मिनट में मलेशिया के शेनो सिल्वरियस ने फोल्ड गोल किया। 42वें मिनट में हार्दिक ने पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल किया। 54वें मिनट में शिलानंद ने फोल्ड गोल किया। 57वें मिनट में कप्तान ने गोल किया।

अखिलेश यादव से मुलाकात सपा से टिकट हुआ फाइनल!

मऊ (एजेंसी)। यूपी में मऊ सदर से सुभासपा विधायक अब्बास अंसारी ने 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर चल रही अटकलों पर खुलकर अपनी बात रखी है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि अभी से उनका नाम चर्चा में होना ही अपने आप में महत्वपूर्ण है। चर्चा उसी व्यक्ति की होती है जिसकी आवाज में पकड़ होती है। यही वजह है कि अलग-अलग राजनीतिक दल उनके साथ आने की इच्छा रखते हैं। अब्बास अंसारी ने कहा कि 2027 को लेकर अभी से उनके राजनीतिक भविष्य पर चर्चा होना अपने आप में बड़ी बात है। उनके मुताबिक, आवाज में जिसकी पकड़ होती है, उसी व्यक्ति की चर्चा होती है और हर दल चाहता है कि मैं उसके साथ रहूँ। उन्होंने स्पष्ट किया कि अंतिम फैसला उनका और उनकी आवाज का होगा।

तिरुपति की फार्मा कंपनी में बाॅयलर फटा, 5 की मौत

10 लोग गंभीर घायल, श्री सिटी में हदसे के बाद रेस्क्यू जारी



तिरुपति (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के तिरुपति में श्री सिटी की एक फार्मा कंपनी में बाॅयलर फट गया। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई है। वहीं, 10 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल

पहुंचाया गया है। धमाकों के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस जांच कर रही है। धमाका इतना तेज था कि बिल्डिंग का हिस्सा मलबे में तब्दील हो गया। सत्यवेडु मंडल में हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और इमरजेंसी सर्विस टीमों मौके पर पहुंची और राहत-बचाव का काम शुरू किया। एक अधिकारी के मुताबिक, बाॅयलर फटने की सही वजह अभी पता नहीं चली है। अधिकारी यह जांच कर रहे हैं कि हादसा तकनीकी खराबी, सुरक्षा व्यवस्था में चूक, संचालन संबंधी लापरवाही या किसी अन्य कारण से हुआ। अधिकारियों ने अभी सभी मृतकों की पहचान और हादसे की पूरी जानकारी जारी नहीं की है। बचाव अभियान और घायलों की मेडिकल जांच पूरी होने के बाद मृतकों और घायलों की संख्या की पुष्टि होने की उम्मीद है। राज्य में यह पिछले एक साल में हुआ बड़ा औद्योगिक हादसा है।

कंटेनर-डंपर में टक्कर के बाद आग, 2 ज़िंदा जले

सीट से चिपके मिले शव, सिर्फ हड्डियां बचीं



आगरा (एजेंसी)। आगरा-अलीगढ़ हाईवे पर शनिवार सुबह कंटेनर और डंपर की भीषण टक्कर हो गई। हादसे के बाद दोनों गाड़ियों में भीषण आग लग गई। इसमें डंपर सवार 2 हेल्वर की जिंदा जलकर मौत हो गई। दोनों के शव सीट से चिपके मिले हैं। सिर्फ हड्डियां बचीं हैं। वहीं, कंटेनर चालक और पास से गुजर रहे बाइक सवार गंभीर रूप से झुलस गए। उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसा सुबह करीब 5.45 बजे हुआ। टक्कर इतनी तेज थी कि धमाके जैसी आवाज हुई और तेज धुआं उठने लगा। कुछ ही पलों में ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस दौरान हाईवे पर 5 किमी लंबा जाम लग गया। पुलिस ने क्रेन से गाड़ियां हटवाकर हाईवे के किनारे करवाईं। मृतकों की पहचान धौलपुर जिले के निवासी आकाश (25) और रवि (24) के रूप में हुई है। हादसा जिला मुख्यालय से 36 किमी दूर खंदौली थाना क्षेत्र के पास हुआ।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में लालू परिवार को बड़ी राहत

● सुनवाई टली, अब अगली तारीख 30 अक्टूबर को

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईआरसीटीसी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव और राबड़ी देवी समेत 9 लोगों के खिलाफ आरोप तय होने की प्रक्रिया फिलहाल टल गई है। दिल्ली की राउज एक्वेन्यू कोर्ट में होने वाली इस सुनवाई के लिए अब 30 अक्टूबर की अगली तारीख तय की गई है। कोर्ट में सुनवाई टलने के बाद राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव को फिलहाल 30 अक्टूबर तक राहत मिल गई है। इससे पहले 11 सितंबर को दिल्ली की स्पेशल कोर्ट ने आईआरसीटीसी होटल घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ा फैसला सुनाया था।



जनपद की तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न

जनसामान्य की 222 शिकायतें दर्ज, 13 का मौके पर निस्तारण

गौतमबुद्धनगर । जनपद गौतमबुद्धनगर की तीनों तहसीलों में आज संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुल 222 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 13 शिकायतों का निस्तारण संबंधित अधिकारियों द्वारा मौके पर ही कर दिया गया। शेष शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया।

तहसील सदर में मुख्य विकास अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान कुल 06 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 04 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। आयोजित समाधान दिवस पर उप जिलाधिकारी सदर आशुतोष गुप्ता, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी



डॉ आर. के. सिरोहा एवं सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे। इसी क्रम में तहसील दादरी में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अजीत कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में 122 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 07 शिकायतों का मौके पर

ही निस्तारण किया गया। इसी प्रकार तहसील जेवर में उप जिलाधिकारी जेवर दुर्गेश सिंह की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में 94 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 02 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया।

संक्षिप्त समाचार

हल्द्वानी गांव में दो पक्षों में विवाद, कई लोगों के घायल होने की सूचना

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के हल्द्वानी गांव में दो पक्षों के बीच विवाद के बाद मारपीट की घटना सामने आई है। घटना में कई लोगों के घायल होने की सूचना है। घटना के बाद एक घायल व्यक्ति ने वीडियो बनाकर अपने भाई को चाकू मारे जाने का आरोप लगाया। हालांकि, वीडियो में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है और घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

नोएडा में कार से शराब बेचते दिल्ली का तस्कर गिरफ्तार

नोएडा। सेक्टर-39 थाना पुलिस ने अवैध रूप से शराब बेचने के आरोप में दिल्ली निवासी एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से अंग्रेजी शराब और बीयर के छह कार्टून, करीब 10 हजार रुपये नगद और वारदात में इस्तेमाल कार बरामद की है। आरोपी की पहचान दिल्ली निवासी 49 वर्षीय अजीत सिंह के रूप में हुई है। सेक्टर 39 थाना प्रभारी ने बताया कि दो अक्तूबर को गांधी जयंती के कारण शराब के डेके बंद थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि दिल्ली का एक व्यक्ति सफेद कार में शराब की तस्करी कर रहा है। वह लोगों से दोगुने रूपए लेकर शराब बेच रहा है। पुलिस ने देखा कि महर्षि आश्रम के पास कार खड़ी है और उसमें बैठा व्यक्ति लोगों को शराब दे रहा है। पुलिस ने तत्काल अजीत सिंह को दबोच लिया। तलाशी के दौरान उसकी कार से अलग-अलग ब्रांड की शराब और बीयर मिली। पुलिस ने शराब बिक्री से प्राप्त 9960 रुपये भी बरामद किए। मौके से हूंडई वरना कार को भी कब्जे में लिया गया। कार दिल्ली नंबर पर पंजीकृत है। सेक्टर-39 थाने में आरोपी को खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत केस दर्ज हुआ है।

विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया

शारदा विश्वविद्यालय के एनएसएस प्रकोष्ठ द्वारा 100 सप्ताह नशा मुक्त युवा अभियान के अंतर्गत नशा मुक्त युवा राष्ट्रीय संकल्प समारोह का शनिवार को आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर स्वस्थ और जिम्मेदार समाज के निर्माण में भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया। विवि के प्रो चांसलर वाईके गुप्ता ने कहा कि नशे की रोकथाम के लिए सामूहिक जिम्मेदारी जरूरी है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और समाज के प्रति सकारात्मक योगदान देने का आह्वान किया। एसोसिएट डीन डॉ. सुदीप ने विद्यार्थियों को अपने समय का रचनात्मक उपयोग करने और साधियों के लिए सकारात्मक उदाहरण बनने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों ने नशा मुक्ति विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया, जिसमें नशे के व्यक्तिगत, पारिवारिक और सामाजिक दुष्परिणामों को दर्शाया गया। साथ ही काव्य प्रस्तुति के माध्यम से नशे से दूर रहने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. प्रमोद, एसोसिएट डीन डॉ. रचन बंसल, डॉ. सुमन, एनएसएस समन्वयक डॉ. शांति सहित संकाय सदस्य, एनएसएस स्वयंसेवक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

गेनो के गांवों में सीवरेज व्यवस्था बेहतर होगी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के गांवों में सीवरेज व्यवस्था बेहतर होगी। पूर्व में बिछाई गई लाइन को मुख्य सीवर लाइन से जोड़ने का काम किया जाएगा। प्राथिकरण ने जुनपुर, रिटौरी, अजायपुर, घोड़ी बहेड़ा और डाढा समेत पांच गांवों में बाकी बची सीवर लाइन बिछाने के लिए निविदा जारी की है। अधिकारी ने बताया कि निविदा की प्रक्रिया पूरी कर अगले डेढ़ से दो माह में सीवर लाइन बिछाने और उसे मुख्य लाइन से जोड़ने का काम शुरू करा दिया जाएगा। इससे घरों से निकलने वाला गंद पानी सीधे एसटीपी तक पहुंचेगा। पांच गांवों में होने वाले इस काम पर करीब 2.33 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। वहीं गांवों में घर-घर कनेक्शन देने का भी किया जा रहा है। सीवर विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक ग्रेटर नोएडा अधिसूचित क्षेत्र के 34 ऐसे गांव चिन्हित किए गए हैं जहां सीवर लाइन तो बिछी है, लेकिन उसे मुख्य लाइन से नहीं जोड़ा गया है। ऐसे में घरों से निकलने वाला गंद पानी सड़कों पर बहता रहता है। वरिष्ठ प्रबंधक सन्नी यादव ने बताया कि गांवों में बाकी बची सीवर लाइन को बिछाने और उसे मुख्य लाइन से जोड़ने की योजना बनाई गई है। इसके साथ ही सेक्टरों में अधूरी पड़ी सीवर लाइन को पूरा करने का काम भी किया जा रहा है। इससे सीवरेज व्यवस्था दुरुस्त हो जाएगी।

सात लाख की कुश्ती बराबरी पर छूटी

नोएडा। बहलोलपुर में शुक्रवार को आयोजित ओपन कुश्ती में सात लाख रुपये इनामी राशि की कुश्ती बराबरी पर छूटी। प्रतिवेगिता में कई राज्यों के पहलवानों ने दमखम दिखाया। प्रतिवेगिता में कई कुश्तियां होने के कारण देर रात तक स्पंधाएं हुईं। दंगल में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान आदि राज्यों के पहलवानों ने भाग लिया। कुल 125 कुश्तियां हुईं। दंगल की सबसे बड़ी 7 लाख इनामी राशि की कुश्ती भारत केसरी पहलवान शेरानुर्जर और भारत केसरी पहलवान दिनेश गुलिया के बीच हुई।

एडीसीपी समेत पांच पुलिसकर्मी सम्मानित

नोएडा। लखनऊ स्थित लोकभवन में गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिसकर्मियों को पदक पहनाकर उनके साहस और सेवाभाव की सराहना की। इस दौरान गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट में तैनात एडीसीपी सेंट्रल नोएडा स्वतंत्र कुमार सिंह समेत पांच पुलिसकर्मियों को वीरता पदक मिला। पदक पाने वालों में चार अन्य एसटीएफ की नोएडा यूनिट के जवान हैं। गणतंत्र दिवस 2025 के अवसर पर घोषित वीरता पदक के लिए एडीसीपी सेंट्रल नोएडा स्वतंत्र कुमार सिंह, एसटीएफ के आरक्षी देवदत्त सिंह और राजन कुमार का चयन किया गया था।

घर में घुसकर परिवार के लोगों से मारपीट

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट के हल्द्वानी गांव में पुरानी रजिश को लेकर एक परिवार पर हमला करने का मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि आठ लोग लाठी-डंडे, चाकू और लोहे की रॉड लेकर घर में घुस आए। परिवार के लोगों के साथ मारपीट की। इस दौरान एक युवक पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक हल्द्वानी निवासी सलीम खान ने बताया कि शुक्रवार की शाम आरोपी उनके घर में घुस आए। परिवार पर हमला कर दिया। सलीम के बेटे फिरोज पर चाकू से हमला किया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया परिजनों ने उसे उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। परिवार के लोग फिरोज को बचाने के लिए आगे आए तो आरोपियों ने महिलाओं के साथ मारपीट और अभद्रता की। पीड़ित पक्ष ने महिलाओं के साथ छेड़छाड़ करने का भी आरोप लगाया है। घटना के बाद आरोपी परिवार को जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से भाग गए।

गाजियाबाद: लड़की को लेकर फरार हुआ बेटा, पुलिस के सवालों से तंग आकर मां ने दी जान

गाजियाबाद। साहिबाबाद के टीला मोड़ थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी से पुत्र के साथ गई किशोरी के मामले में युवक की मां ने जहरीला पदार्थ खाकर जान दे दी।

घटना से नाराज स्वजन ने टीला मोड़ थाने के सामने शव को रखकर जाम लगाया और जमकर हंगामा किया। मौके पर कई थानों का पुलिसबल तैनात किया गया है।

स्वजन का आरोप है कि किशोरी के स्वजन व पुलिस उनका उत्पीड़न कर रहे थे और कई बार बदतमीजी की। इससे परेशान होकर महिला ने एक युवक पर उसे भगा के ले जाने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई थी।



युवक की मां व स्वजन पर किशोरी के स्वजन व पुलिस दबाव बना रहे थे। इसको लेकर महिला काफी तनाव में थी। इसके चलते 30 सितंबर की रात महिला ने जहरीला

पदार्थ खा लिया। उन्हें जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी शुक्रवार रात मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद शनिवार दोपहर शव घर पहुंचा तो स्वजन ने पदार्थ खा लिया। उन्हें जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी शुक्रवार रात मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद शनिवार दोपहर शव घर पहुंचा तो स्वजन ने

युवती ने फंदा लगाकर जान दी

ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर कस्बे में किराये के कमरे में रहने वाली एक युवती ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच पड़ताल की। पुलिस को कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस के मुताबिक मूलरूप से मैनपुरी की रहने वाली 18 वर्षीय शालू सूरजपुर कस्बे में किराये के कमरे में रहती थी। शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे उसने कमरे में पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की। पुलिस के मुताबिक युवती एक निजी कंपनी में नौकरी करती थी। पुलिस ने घटना की जानकारी परिजनों के दी है। परिजन भी मौके पर पहुंच गए। परिजनों की तरफ से इस मामले अभी कोई शिकायत नहीं की गई है। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि आत्महत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। परिजन यदि कोई शिकायत करते हैं तो मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

गाजियाबाद में सिपाही भर्ती की दौड़ में 830 अभ्यर्थी पहुंचे, पहले दिन 708 हुए सफल, 5 की बिगड़ी तबीयत

गाजियाबाद। सिपाही भर्ती के लिए शनिवार को गोविंदपुरम स्थित 47वीं वाहिनी पीएसपी मैदान में अभ्यर्थियों की दौड़ हुई। सुबह अंधेरा रहते ही बड़ी संख्या में अभ्यर्थी मैदान के बाहर जुटने शुरू हो गए थे।

पहले दिन दौड़ के लिए कुल 875 अभ्यर्थियों को बुलाया गया था, जिनमें से 830 अभ्यर्थी उपस्थित हुए। 708 अभ्यर्थियों ने दौड़ में सफलता हासिल की, जबकि 45 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। इस दौरान पांच अभ्यर्थियों की तबीयत भी बिगड़ गई।

दौड़ के दौरान अभ्यर्थियों में उत्साह के साथ कड़ी प्रतियोगिता भी देखने को मिली। निर्धारित प्रक्रिया के तहत अभ्यर्थियों को दौड़ में शामिल कराया गया। मैदान में सुबह से ही अभ्यर्थियों और उनके स्वजन की आवाजवाही शुरू हो गई थी। सुरक्षा और व्यवस्था के लिए पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। दौड़ के दौरान पांच अभ्यर्थियों की तबीयत बिगड़ गई। उन्हें तत्काल उपचार के लिए सैन्य नगर स्थित



संयुक्त जिला अस्पताल भेजा गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने उनका उपचार किया। पुलिस भर्ती प्रक्रिया के तहत गाजियाबाद में आठ अक्टूबर तक करीब साढ़े चार हजार अभ्यर्थियों की दौड़ कराई जानी है।

इसे देखते हुए पीएसपी मैदान में सुरक्षा, चिकित्सा और अन्य व्यवस्थाएं की गई हैं। शुक्रवार को वरिष्ठ अधिकारियों ने मैदान का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया था। मुख्य नोडल अधिकारी डीसीपी मुख्यालय बलवंत कुमार

4.60 लाख विद्यार्थियों के खातों में पहुंची 148 करोड़ की छात्रवृत्ति

जहांगीरपुर में एलईडी स्क्रीन पर हुआ प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण

गौतमबुद्धनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शनिवार को लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के अल्प आय वर्ग के 4.60 लाख छात्र-छात्राओं के बैंक खातों में 148 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की गई। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण गौतमबुद्धनगर के पब्लिक इंटर कॉलेज, जहांगीरपुर में एलईडी स्क्रीन के माध्यम से किया गया। मुख्य विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी के नेतृत्व में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में अधिकारियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम का प्रसारण देखा। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को शासन की विभिन्न



छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र विद्यार्थियों से समय पर आवेदन करने और योजनाओं का लाभ लेने की

अपील की। इस दौरान विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। जिला प्रशासन के अलावा शिक्षक और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

बताया कि जिले में अन्य पिछड़ा वर्ग के कक्षा 9-10 के 75 विद्यार्थियों को 1.68 लाख रुपये और कक्षा 11-12 के 52 विद्यार्थियों को 1.68 लाख रुपये से अधिक की छात्रवृत्ति दी गई। वहीं जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार के अनुसार अनुसूचित जाति के 127 विद्यार्थियों को 1.77 लाख रुपये, सामान्य वर्ग के 41 विद्यार्थियों को 1.23 लाख रुपये और अल्पसंख्यक वर्ग के 24 विद्यार्थियों को 72 हजार रुपये की छात्रवृत्ति उनके खातों में भेजी गई। कार्यक्रम में जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, प्रधानाचार्य कुलभूषण शर्मा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, शिक्षक और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

रोडवेज बस की टक्कर से सास की मौत, दामाद घायल

दादरी। बादलपुर कोतवाली क्षेत्र में जीटी रोड पर एक तेज रफ्तार रोडवेज बस ने बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार महिला की मौत हो गई, जबकि उनका दामाद घायल हो गया। घायल युवक का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

महिला के पति ने बस चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस के मुताबिक दिल्ली तुलसी नगर इंद्रलोक के रहने वाले विजय पाल ने मुकदमा दर्ज करवाया है। विजयपाल ने पुलिस को बताया कि 24 सितंबर को उनकी पत्नी सोमवती दामाद राजू के साथ बाइक से अलीगढ़ जा रहे थे। जब यह बादलपुर कोतवाली क्षेत्र में

जीटी रोड पर एयरफोर्स स्टेशन के समीप पहुंचे तो एक एक बैकवाब रोडवेज बस के चालक ने बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गम्भीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों दोनों को नजदीक के एक अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टर ने सोमवती को मृत घोषित कर दिया, जबकि राजू का अस्पताल में इलाज चल रहा है। हादसे के बाद आरोपी चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने अब इस मामले में रोडवेज बस के चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। कोतवाली प्रभारी कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी चालक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सिद्धार्थनगर के कालानमक चावल की कुकीज को विदेशों से मिले ऑर्डर

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में बुद्धा डिलाइट्स को 200 करोड़ की पूछताछ, करीब चार करोड़ की संभावनाएं

ग्रेटर नोएडा। सिद्धार्थनगर के पारंपरिक कालानमक चावल से तैयार कुकीज ने उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 में देश-विदेश के खरीदारों का ध्यान खींचा है। सिद्धार्थनगर की कंपनी **बुद्धा डिलाइट्स** को ट्रेड शो के दौरान करीब 200 करोड़ की पूछताछ मिली, जिनसे लगभग चार करोड़ रुपये के कारोबार की संभावनाएं जताई गई हैं। कंपनी के संस्थापक डॉ. अजय कुमार रावत ने फ्रांस के एक खरीदार के साथ समझौता किया है। इसके तहत 50 हजार कुकीज की आपूर्ति का 20 लाख रुपये का पक्का ऑर्डर मिला है। इसके अलावा ट्रेड शो में कंपनी ने उपभोक्ताओं को सीधे उत्पाद बेचकर करीब 4.70 लाख रुपये की बिक्री भी दर्ज की। डॉ. रावत का परिवार सिद्धार्थनगर में तीन पीढ़ियों से



कालानमक चावल की खेती करता आ रहा है। पारंपरिक चावल को आधुनिक उत्पाद में बदलने के उद्देश्य से उन्होंने खाद्य निर्माण और बेकरी का प्रशिक्षण लिया। वर्ष 2024 में बुद्धा डिलाइट्स की स्थापना कर कालानमक चावल से विभिन्न प्रकार की कुकीज तैयार करना शुरू किया। कंपनी के उत्पादों में कालानमक काजू कुकीज, एरोमैटिक ब्राउन राइस कुकीज, ड्राई फ्रूट गुगार-फ्री कुकीज

और गुड़ कुकीज शामिल हैं। कंपनी का वार्षिक कारोबार करीब तीन करोड़ रुपये बताया गया है।

उद्यम के विस्तार के लिए डॉ. रावत ने ह्वाएक जनपद एक व्यंजन पोषण वित्त योजना के तहत 50 लाख रुपये का ऋण लिया है। इस पर 10 लाख रुपये की मार्जिन मनी (सब्सिडी) उपलब्ध कराई जाएगी। इससे उत्पादन क्षमता बढ़ने और नए बाजारों तक पहुंचाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

डॉ. रावत ने कहा कि उनका उद्देश्य कालानमक चावल की पहचान और स्वाद को मूल्यवर्धित उत्पादों के माध्यम से देश-दुनिया तक पहुंचाना है। उन्होंने यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो जैसे मंच उपलब्ध कराने और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार के प्रति आभार जताया।

मिगसन किआन सोसायटी के निवासियों का बिल्डर के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन

साहिबाबाद। अटल चौक वसुंधरा स्थित मिगसन किआन सोसायटी के निवासियों ने वैशाली सेक्टर-4 में बिल्डर के ऑफिस पर जोरदार प्रदर्शन किया। करीब चार घंटे तक निवासी प्रदर्शन कर बिल्डर को वार्ता के लिए बुलाने पर अड़े रहे। निवासियों ने बिल्डर पर रजिस्ट्री न कराने और मेटेनेंस शुल्क लेने के बाद भी सुविधाएं उपलब्ध न कराने का आरोप लगाया है। शनिवार सुबह करीब 11 बजे सोसायटी पर बिल्डर ने एकत्रित होकर निवासी वैशाली में बिल्डर के ऑफिस पहुंचे। स्थानीय निवासी प्रफुल्ल जैन ने बताया कि सभी सुविधाओं पर बिल्डर ने अपना वायदा पूरा नहीं किया है जबकि दो-दो साल का एडवांस मेटेनेंस निवासियों से जमा कराया गया है। उन्होंने बताया कि सोसायटी में हाउस कीपिंग और सिस्कोरिटी गार्ड ने भी तीन-चार महीनों से वेतन न मिलने का आरोप है। प्रदर्शन में रनेश कोटियाल, अवनीश मिश्रा, सुरेंद्र चावला, केशव कुमार, हिमांशु, राज भदौरिया, रेणु गुप्ता, रोहित दीक्षित, करुणेश शुक्ला, अमित शुक्ला आदि मौजूद रहे। बिल्डर की ओर से कंपनी के वाइस प्रेसिडेंट राजीव ने स्थानीय लोगों से वार्ता की। निवासियों ने बताया कि कंपनी प्रतिनिधियों ने सोसायटी के बचे कामों को पूरा कराने और दो से तीन महीने के भीतर रजिस्ट्री शुरू कराने का वादा किया है।

और पंजेशन लेने पर मजबूर किया, लेकिन बिल्डर न तो सोसायटी की ओसी हासिल कर सका है और न ही सीसी। रजिस्ट्री कराने के नाम पर हर बार कोई बहाना बनाता है। सोसायटी की वरिष्ठ नागरिक कल्पना गुप्ता ने बताया कि बिल्डर ने किसी भी वादे को पूरा नहीं किया। राजेश्वर सिंह ने कहा कि फ्लैट में जीवन की पूंजी लगनी है, लेकिन आज तक अपने फ्लैट का कानूनी रूप से मालिकाना हक नहीं मिला है। सचिन श्रीवास्तव ने भी बिल्डर पर काम पूरा न करने और बहुत ज्यादा मेटेनेंस चार्ज करने का आरोप लगाया। प्रदर्शन में रनेश कोटियाल, अवनीश मिश्रा, सुरेंद्र चावला, केशव कुमार, हिमांशु, राज भदौरिया, रेणु गुप्ता, रोहित दीक्षित, करुणेश शुक्ला, अमित शुक्ला आदि मौजूद रहे। बिल्डर की ओर से कंपनी के वाइस प्रेसिडेंट राजीव ने स्थानीय लोगों से वार्ता की। निवासियों ने बताया कि कंपनी प्रतिनिधियों ने सोसायटी के बचे कामों को पूरा कराने और दो से तीन महीने के भीतर रजिस्ट्री शुरू कराने का वादा किया है।

संक्षिप्त

समाचार

दिवाली पर जगमगा होंगे जिले के 852 गांव



अलीगढ़, एजेंसी। दिवाली पर इस बार जिले के गांव भी रोशनी से जगमगाएंगे। शासन के निर्देश पर जिले के सभी 852 गांवों में स्ट्रीट लाइट लगावने की तैयारी है। खासतौर पर उन इलाकों को प्राथमिकता दी जाएगी, जहां रात में अंधेरा रहता है और ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी होती है। डीपीआरओ राहुत सिंह ने बताया कि शासन ने संबंधित विभागों को गांवों में प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त कराने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत प्रमुख रास्तों, सार्वजनिक स्थलों और अंधेरे वाले स्थानों को चिह्नित कर वहां स्ट्रीट लाइट लगाने पर जोर रहेगा। दिवाली से पहले व्यवस्था पूरी कराने की तैयारी है। नई लाइट लगाने से ग्रामीण क्षेत्रों में रात के समय आवागमन आसान होने के साथ सार्वजनिक स्थानों पर भी रोशनी की व्यवस्था ब्रेकथ्रू होने की उम्मीद है।

लघु व्यापारी बोले-रोजगार छीन रहा नगर निगम



अलीगढ़, एजेंसी। रमघाट रोड स्थित गांधी आई हॉस्पिटल के बाहर शुक्रवार को फुटपाथ लघु व्यापार मंडल समिति के बैनर तले लघु व्यापारियों ने धरना-प्रदर्शन किया। संस्थापक राजवीर सिंह सुजन ने कहा कि एक ओर सरकार लोगों को रोजगार दे रही है तो दूसरी ओर नगर निगम फुटपाथ पर दुकान, टेन व डकल नहीं लगाने दे रहा और उनका रोजगार छीन रहा है। उन्हें एक ऐसा स्थान दिया जाए जहां वे अपना छोटा-मोटा व्यापार कर सकें। उन्होंने प्रशासन से लघु व्यापारियों की समस्याओं का समाधान कराने की मांग की। समिति के पदाधिकारियों का कहना था कि फुटपाथ पर कारोबार करने वाले छोटे दुकानदारों की समस्याओं को गंभीरता से सुना जाना चाहिए। मौके पर अभिषेक सेनी, सुंदर सेनी, अजय सेनी, नीलू सादत, रामवीर जाटव, संजय गुप्ता, मोतीलाल, अर्जुन आदि रहे।

चिड़ियाघर में रन फॉर नेचर के साथ

वन्यजीव सप्ताह शुरू

गोरखपुर, एजेंसी। शहीद अशफाक उल्ल खां प्राणी उद्यान में शुक्रवार को रन फॉर नेचर के साथ वन्यजीव सप्ताह की शुरुआत हुई। दो से आठ अक्तूबर तक चलने वाले सप्ताह के पहले दिन राधपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इसके बाद प्राणी उद्यान के कर्मचारियों और दर्शकों ने रन फॉर नेचर में हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने परिसर में दौड़ लगाकर वन्यजीव संरक्षण और प्रकृति संवर्धन का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान लोगों से वन्यजीवों के संरक्षण के साथ प्राकृतिक पर्यावरण को सुरक्षित रखने की अपील की गई। मुख्य अतिथि मुख्य वन संरक्षक गोरखपुर डॉ. बीसी ब्रह्मा और विशिष्ट अतिथि प्राणी उद्यान गोरखपुर समिति के नामित सदस्य अरविद विक्रम चौधरी रहे। अतिथियों ने प्राणी उद्यान के कर्मचारियों को वंदी भी वितरित की। उप निदेशक डॉ. योगेश प्रताप सिंह ने बताया कि वन्यजीव सप्ताह के दौरान वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

लिंग भेद, जातिवाद का विरोधभास

दर्शाता है मेरा वजूद

बरेली, एजेंसी। मेरा वजूद नाटक के मंचन से समाज में लिंग भेद, जातिवाद, ऊंच-नीच और बैद्विकता का विरोधभास दर्शाया गया। शिष्टर अड्डा ने खालसा फेजनी ऑफ आर्ट्स एंड कल्चर के शिष्टर फेस्ट में शुक्रवार को कलाकारों ने नाटक के माध्यम से मध्यमवर्गीय परिवार की कसौटी बतलाई। सहरनपुर की मानसी अभिनय गुरुकुल की टीम ने नाटक में दिखाया कि आर्थिक संकट और पिता की बीमारी के दौर से गुजर रहे परिवार की मदद के लिए जब कोई अपना आगे नहीं आया, तब किन्नर समाज परिवार का सहारा बनता है। लेकिन, समय के साथ परिवार आर्थिक रूप से समृद्ध होने पर सामाजिक प्रतिष्ठा और लोगों की सोच के दबाव में उसी समाज से दूरी बनाने लगता है। नाटक इसी विरोधभास पर गंभीर सवाल खड़े करता है। अमूल सागर नायक के लिखित नाटक का निर्देशन योगेश पंवार ने किया। राजय की भूमिका में अरिस्त जैन, नूनी के रूप में योगेश धीमान, जानकी के किरदार में स्वाती सेनी और ऐश्वीनी की भूमिका में रवि कर्मावाल ने अभिनय किया। डॉ. विनोद पागरेवाली ने कलाकारों का शुभारंभ किया। संयोजक शैलेन्द्र आजाद के अनुसार, शनिवार को गाजियाबाद की टीम नाटक 'एनजेलस चोर' का मंचन शाम 7:00 बजे करेगी।

अवध कॉइन वलब ने लगाई सिक्कों की प्रदर्शनी

लखनऊ, एजेंसी। अवध कॉइन वलब ने शुक्रवार को निराला नगर के एक होटल में तीन दिवसीय सिक्कों की प्रदर्शनी लगाई। यह प्रदर्शनी लोगों को हजारों साल पुराने ऐतिहासिक सिक्कों से रूबरू करा रही है। बड़ी संख्या में सिक्के खरीदने और इकट्ठा करने वाले लोग इसमें प्रह्वे रहे हैं।

घरों में पांचफीट तक भरा पानी, सांपों का खतरा

आशियाने छूटे, 3500 किसानों की फसलें डूबीं



लखनऊ, एजेंसी। गोमती और सई नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से लखनऊ के कई ग्रामीण और शहरी इलाकों में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। फेजुल्लागंज की कई कॉलोनियां पानी में डूब चुकी हैं। घरों में कई फीट तक पानी भरने के बाद परिवार गृहस्थी का सामान समेटकर सुरक्षित स्थानों की ओर जाने को मजबूर हैं। वहीं माल, इट्टीजा, निगाहां, बंधरा और आसपास के क्षेत्रों में करीब 3,500 किसानों की धान, उड़द, बाजरा, चारा और सब्जियों की फसलें पानी में डूब गई हैं।

फेजुल्लागंज में हर दिन बढ़ रहा दायरा : गोमती का जलस्तर बढ़ने से फेजुल्लागंज के दाउदनगर, मामा कॉलोनी, कैलाश विहार, कनौजिया चौराहा, नंदा फार्म हाउस, मिश्रा प्लानिंग परिया और मस्जिद तिराहा समेत कई इलाके जलमग्न हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक बाढ़ का पानी रोज करीब 300 मीटर नए इलाके को अपनी चपेट में ले रहा है।

ललित नगर, जैनब मस्जिद, राम विहार

कॉलोनी, मामा कॉलोनी और पवन विहार में भी पानी भर गया है। कई परिवार घर छोड़कर रिश्तेदारों या सुरक्षित स्थानों पर चले गए हैं। खाली मकानों में चोरी की घटनाओं की शिकायतें भी सामने आई हैं। स्थानीय लोगों ने पुलिस से ऐसे इलाकों में गश्त बढ़ाने की मांग की है।

पानी के बीच सांपों का खतरा : जलभराव वाले इलाकों में सांप निकलने से लोगों में दहशत है। स्थानीय निवासियों के मुताबिक कई घरों और उनके आसपास

सांप देखे गए हैं। राहत सामग्री पहुंचाने में भी लोगों को परेशानी हो रही है। सामाजिक संगठनों की ओर से प्रभावित परिवारों को खानपान के पैकेट बांटे गए। बाढ़ के कारण आवागमन के लिए नावों का सहारा लिया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने कुछ नाव संचालकों पर आने-जाने के लिए पैसे लेने का आरोप लगाया है।

डीएम ने नाव से पहुंचकर लिया जायजा : शुक्रवार को डीएम विशाख जी. और जेसीपी बबलू कुमार नाव से

फेजुल्लागंज पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा लिया। अधिकारियों ने बताया कि लोगों के आवागमन और राहत कार्यों के लिए 24 नावें लगाई गई हैं। डीएम ने 10 और नावों की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ ही बच्चों, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं को चिह्नित कर उनकी सूची तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

बीकेटी के कई गांवों में घरों में घुसा पानी : बख्शी का तालाब क्षेत्र के बहादुरपुर गांव में 68 वर्षीय छोटा के मुताबिक रात में पानी तेजी से बढ़ा और सुबह तक घर के आंगन में करीब पांच फीट पानी भर गया। परिवार के करीब 12 सदस्यों और मवेशियों को गांव से बाहर सुरक्षित स्थान पर ले जाना पड़ा। लासा, अकड़िया खुर्द, दुधरा, सुल्तानपुर, बहादुरपुर और हीरापुरवा के करीब 50 घरों में पानी भरने की सूचना है। ग्रामीण ट्रैक्टर और नाव की मदद से भूसा, अनाज और गृहस्थी का सामान बाहर निकाल रहे हैं। करीब 350 लोग घर छोड़कर रिश्तेदारों या ऊंचे स्थानों पर चले गए हैं।

डेढ़ दर्जन गांवों में फसलें बर्बाद : गोमती की बाढ़ से अकड़िया खुर्द, अकड़िया कला, लासा, सुल्तानपुर, बहादुरपुर और हीरापुरवा समेत कई गांव प्रभावित हैं। जमखनवा, दुधरा, हरदा, शिवपुरी, कठवारा, मल्लहनखंडा, अस्तल, सरीरा और दुगवरी में धान, उड़द तथा बैंगन, लौकी, तोरई, भिंडी, टमाटर और अरबी की फसलें पानी में डूब गई हैं। निगाहां क्षेत्र में सई नदी का जलस्तर बढ़ने से जवाहरखंडा, चिरानीखंडा, मोरानपुर और बरवलिया गांवों में करीब 100 बीघा फसल जलमग्न हो गई है। इससे लगभग 50 किसान प्रभावित बताए जा रहे हैं।

माल, इट्टीजा, निगाहां, बंधरा और सैथा क्षेत्र में भी नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। 24 घंटे में तीन से चार फीट तक पानी बढ़ने से हजारों किसानों की फसलें प्रभावित हुई हैं। प्रशासन की ओर से राहत और बचाव कार्य जारी है, जबकि प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की कोशिश की जा रही है।

गांधी-शास्त्री जयंती पर गूंजा सत्य-अहिंसा का संदेश

गोरखपुर, एजेंसी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर शुक्रवार को जिलेभर में विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। सरकारी कार्यालयों, पुलिस विभाग, बीआरडी मेडिकल कॉलेज और गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) में ध्वजारोहण, माल्यार्पण, पौधरोपण, स्वच्छता और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से दोनों महापुरुषों की श्रद्धांजलि दी गई। अधिकारियों और कर्मचारियों ने सत्य, अहिंसा, सादगी, ईमानदारी, स्वच्छता और राष्ट्रसेवा के आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया।

- गांधी आश्रम में चरखा चलाकर काता सूत गोलाघर स्थित गांधी आश्रम में मंडलायुक्त इंद्र विक्रम सिंह ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने आश्रम में चरखा चलाकर सूत काता और खादी व स्वदेशी उत्पादों का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि चरखा स्वावलंबन, आत्मनिर्भरता और स्वदेशी भावना का प्रतीक रहा है। मंडलायुक्त ने खादी उत्पादों की जानकारी लेने के साथ खरीदारी करने पहुंचे लोगों से भी बातचीत की और स्थानीय उत्पादों की

बढ़ावा देने का संदेश दिया। इस दौरान गांधी आश्रम के मंत्री विश्वेश्वर नाथ तिवारी सहित अन्य पदाधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी दीपक मीणा के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट परिसर में कार्यक्रम हुआ। ध्वजारोहण के बाद गांधी और शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। जिलाधिकारी ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि गांधी जी के सत्य, अहिंसा, स्वच्छता और जनसेवा तथा शास्त्री जी की सादगी, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा आज को अपनाने का संकल्प लिया। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/एसीएम द्वितीया मुकुल खंडेवाल, एडीएम सिटी गजेंद्र कुमार, एडीएम प्रशासन डॉ. वैभव शर्मा, सीआरओ हिमांशु वैष्णव, एडीएम वित्त व राजस्व जय प्रकाश, सिटी मजिस्ट्रेट उत्कर्ष श्रीवास्तव, उप जिलाधिकारी प्रेम नारायण, उप जिलाधिकारी आनंद कटारिया, उप जिलाधिकारी आरती साहू सहित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। वहीं एडीजी और राम कुमार ने कार्यालय में ध्वजारोहण कर गांधी और शास्त्री को नमन किया। उन्होंने अधिकारी-कर्मचारियों को उनके आदर्शों को कार्यशैली में उतारने का संदेश दिया।

कर्मियों की बनेगी डिजिटल कुंडली; सीईओ के काम संभालने के बाद हुए बड़े बदलाव

लखनऊ, एजेंसी। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के बाद सेना जैसी कार्यप्रणाली लागू करने की योजना तैयार की जा रही है। अब मंदिर के कर्मचारियों की डिजिटल कुंडली बनेगी। नई व्यवस्था में केवल उपस्थिति दर्ज करना ही उद्देश्य नहीं है। कर्मचारियों की ड्यूटी और तैनाती की भी निगरानी की जाएगी। सॉफ्टवेयर से कर्मचारियों की ट्रेकिंग होगी।

राम मंदिर परिसर में कर्मियों की गतिविधियों पर अब निगरानी बढ़ाई जाएगी। सीईओ एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) जितेंद्र मिश्र ने मंदिर की आंतरिक व्यवस्था को अधिक अनुशासित और जवाबदेह बनाने के लिए सेना जैसी कार्यप्रणाली लागू करने की योजना तैयार की है।

इसके तहत मंदिर ट्रस्ट के कर्मियों का पूरा डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करेगा। साथ ही उनकी गतिविधियों की सॉफ्टवेयर के जरिये निगरानी की जाएगी।

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना के बाद कर्मचारियों की निगरानी और आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को लेकर ट्रस्ट ने सख्ती बढ़ाई है।

नए सीईओ के स्तर से व्यवस्था में तकनीक का इस्तेमाल बढ़ाने के साथ ही कर्मचारियों की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय करने पर जोर दिया जा रहा है। नई व्यवस्था में प्रत्येक कर्मचारी का डिजिटल प्रोफाइल यानी डिजिटल कुंडली तैयार करने की योजना है।

इसमें कर्मचारी की नियुक्ति, पद, ड्यूटी, तैनाती, उपस्थिति, जिम्मेदारी समेत उससे संबंधित जरूरी विवरण दर्ज किए जाएंगे। इससे जरूरत पड़ने पर किसी कर्मचारी की तैनाती और उसके काम का पूरा ब्यौरा तत्काल सामने आ सकेगा।



ट्रस्ट के स्तर पर ऐसा सॉफ्टवेयर विकसित कराया जा रहा है, जिसमें कर्मचारियों का पूरा डाटा सुरक्षित रहेगा। कर्मचारी किस स्थान पर तैनात है, उसकी ड्यूटी क्या है और उसे कौन सी जिम्मेदारी सौंपी गई है, इसकी जानकारी डिजिटल सिस्टम में उपलब्ध रहेगी। इससे मैनुअल रिकॉर्ड पर निर्भरता कम होगी और जिम्मेदारी तय करना आसान होगा।

ड्यूटी के दौरान गतिविधियों पर भी नजर नई व्यवस्था में केवल उपस्थिति दर्ज करना ही उद्देश्य नहीं है। कर्मचारियों की ड्यूटी और तैनाती की भी निगरानी की जाएगी। संबंधित अधिकारियों को यह पता चल सकेगा कि कर्मचारी निर्धारित स्थान और जिम्मेदारी के अनुरूप काम कर रहा है या नहीं।

मंदिर परिसर जैसे संवेदनशील क्षेत्र में सुरक्षा और गोपनीयता को देखते हुए तकनीकी निगरानी को अहम माना जा रहा है। नई व्यवस्था के तहत कर्मचारियों के

मोबाइल की भी समय-समय पर जांच की योजना है। सीईओ के काम संभालने के बाद ये हुए बड़े बदलाव

सभी स्टाफ का पुलिस वेरिफिकेशन, कैरेक्टर सर्टिफिकेट अनिवार्य। अब रिश्तेदारों और परिवार का भी ब्यौरा देना होगा।

बिना वेरिफिकेशन कोई भी कर्मचारी मंदिर सेवा में नहीं रहेगा। हर विभाग के लिए अलग एसओपी तय।

मंदिर परिसर में निगरानी बढ़ाने के लिए करीब 40 नए स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने की तैयारी।

मंदिर परिसर के करीब 450 प्राइवेट सुरक्षा कर्मियों के ड्यूटी के दौरान मोबाइल प्रयोग पर रोक। फेस रीडिंग से हाजिरी।

राम मंदिर परिसर का दृश्य

पाकिस्तान से आए शिवलिंग के नामकरण पर काशी में लगेगी मुहर

वाराणसी, एजेंसी। बंटवारे के समय पाकिस्तान से लाकर काशी में स्थापित किए शिवलिंग के नामकरण पर 8 अक्टूबर को नगर निगम की कार्यकारिणी समिति की बैठक में विचार होगा। इसकी स्थापना सिंधी समाज के पूर्वजों ने राजमंदिर वार्ड के ललिताना घाट के समीप छोटी शीतला घाट के मंदिर में की थी।

इस मंदिर का नाम प्राचीन श्री सिंधु गंगेश्वर महादेव करने की मांग सिंधी समाज ने की है। नामकरण का प्रस्ताव कार्यकारिणी में लाने के लिए सिंधी समाज के लोगों ने सपा के कार्यकारिणी सदस्य राजकपूर चौधरी अजय से संपर्क किया है। उम्मीद जताई जा रही है कि कार्यकारिणी की बैठक में इस पर चर्चा



कर मुहर लगेगी। फिलहाल स्थानीय लोगों ने मंदिर के बाहर प्राचीन श्री सिंधु गंगेश्वर महादेव मंदिर नाम लिख दिया है।

सिंधी समाज से जुड़े पूर्व पार्षद शंकर विश्वाजी ने बताया कि इस शिवलिंग से भारत-पाकिस्तान विभाजन के दौर की

स्मृतियां जुड़ी हैं। कहा कि बंटवारे के समय उनके पूर्वज सीताराम मोटवानी ने इस शिवलिंग को पाकिस्तान के सिंध प्रांत से भारत लेकर आए थे। उस समय सिंधी समाज के लोगों की स्थिति बेहद कठिन थी। वे अपनी जमीन, व्यापार और दूसरी संपत्तियां

छोड़कर खाली हाथ भारत आए थे। मुश्किल हालात में पूर्वजों के सामने यह सवाल था कि शिवलिंग की पूजा और सेवा किस तरह जारी रखी जाए। एक समय शिवलिंग को गंगा में प्रवाहित करने का विचार भी आया। इसी दौरान काशी के विद्वानों ने सिंधी समाज से आग्रह किया कि शिवलिंग को गंगा किनारे मंदिर में स्थापित कर दिया जाए। स्थानीय लोगों के आग्रह पर सिंधी समाज ने शिवलिंग उन्हें सौंप दिया।

इसके बाद काशीवासियों ने गंगा किनारे निर्धारित स्थान पर शिवलिंग की स्थापना कराई। तभी से यहां विधि-विधान के साथ शिवलिंग की पूजा-अर्चना लगातार होती आ

रही है और यह स्थान श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा हुआ है। पिछले दिनों यहां पर पाकिस्तानेश्वर महादेव के नाम का फलेक्स लगाया गया था। जिसे हटवाने और कार्टवाई के लिए सिंधी समाज के लोगों ने नगर निगम में अपर नगर आयुक्त विनोद कुमार गुप्ता को जापन दिया था।

आठ अक्तूबर को होने वाली कार्यकारिणी बैठक में वे इस मंदिर का नाम सिंधु गंगेश्वर महादेव करने के संबंध में प्रस्ताव देंगे। नगर निगम अधिनियम के अनुसार कार्यकारिणी की बैठक में 48 घंटे पूर्व प्रस्ताव देना अनिवार्य है। चूंकि दो अक्तूबर को नगर निगम बंद है इस नाते कल प्रस्ताव देंगे।

पहली बार चीन की कंपनियां लगाएंगी स्टॉल

तीन हॉल में 250 स्टॉल में दिखेगी फुटवियर की नई तकनीक

आगरा, एजेंसी। इंटरनेशनल शू कंपोनेंट, लेदर, फुटवियर, मशीनरी फेयर मीट एट आगरा का 18वां संस्करण शनिवार से सींगना स्थित आगरा ट्रेड सेंटर में शुरू हो रहा है। 5 अक्तूबर तक चलने वाले फेयर में सुबह 10 से शाम 6 बजे तक विजिटर्स आ सकेंगे। आगरा फुटवियर मैनुफैक्चरर्स एंड एक्सपोर्टर्स चैंबर (एफमेक) की ओर से आयोजित फेयर में पहली बार चीन की कंपनियां अपने स्टॉल लगाएंगी। इसमें अत्याधुनिक फुटवियर निर्माण मशीनरी और कंपोनेंट प्रदर्शित किए जाएंगे।

शुक्रवार शाम को आगरा ट्रेड सेंटर में एफमेक अध्यक्ष गोपाल गुप्ता ने मीट एट आगरा की प्री-कॉन्फ्रेंस में बताया कि एक ही छत के नीचे तीन तक फुटवियर उद्योग जुटेगा, जिसमें दुनियाभर के उद्यमी अपने उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे। तीन हॉल में कंपोनेंट्स, मैटेरियल, मशीनरी, तकनीक और इंस्ट्रियल सपोर्ट सिस्टम के स्टॉल लगाए गए हैं।



कारोबारी सीधे आपूर्तिकर्ताओं से संवाद कर ऑर्डर दे सकेंगे।

एफमेक महासचिव प्रदीप वासन ने बताया कि 3 अक्तूबर को पूर्वाह्न 11 बजे मीट एट आगरा का उद्घाटन यूपी स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन के सीईओ मनोज कुमार सिंह करेंगे। 4 अक्तूबर को फैक्टरी मालिकों और एजेंट्स के बीच संवाद और सम्मान समारोह होगा।

आखिरी दिन यानी 5 अक्तूबर को प्रदर्शनी लगाने वालों को सम्मानित किया जाएगा। इस दौरान माला खेड़ा, अनिरुद्ध तिवारी, चंद्र मोहन सचदेवा, ललित अरोरा, सुनील मनचंदा, नकुल मनचंदा, जसविंदर सिंह खेड़ा आदि मौजूद रहे।

तीन हॉल में 250 स्टॉलों पर दिखेगी नई तकनीक : डिक्कर, क्रिएट, कनेक्ट, ग्रो

थीम पर आयोजित इस बार के मीट एट आगरा में तीन हॉल में 250 स्टॉल लगाए गए हैं। एफमेक अध्यक्ष गोपाल गुप्ता के मुताबिक बदलते फैशन, आरामदायक फुटवियर की मांग, सगठित रिटेल और ऑनलाइन कारोबार के विस्तार से उद्योग में नए अवसर बन रहे हैं। इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए गुणवत्ता, डिजाइन और आधुनिक उत्पादन तकनीक पर

ध्यान देना आवश्यक है। आगरा के जूता उद्यमी यहां आकर नए दौर की तकनीक, कंपोनेंट और केमिकल आदि की जानकारी ले सकते हैं, जो गुणवत्ता सुधारने में मददगार साबित होंगी।

300 करोड़ जोड़ी फुटवियर भारत में बने : एफमेक के संयोजक पूरन डावर ने बताया कि दुनिया में भारत दूसरा देश है, जहां 300 करोड़ जोड़ी फुटवियर बनाए गए हैं। हमारी उत्पादन क्षमता, गुणवत्ता और बड़ा घरेलू बाजार फुटवियर उद्योग की ताकत है। नई तकनीक, बेहतरीन डिजाइन, कौशल विकास और अंतरराष्ट्रीय मानकों की गुणवत्ता के जरिये भारतीय कंपनियों की साख दुनिया में बढ़ रही है। वर्ल्ड फुटवियर इंडर बुक 2026 की रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2025 में दुनिया भर में 2,460 करोड़ जोड़ी फुटवियर बने, जिसमें अकेले भारत का हिस्सा 300 करोड़ जोड़ी है। 12.2 फीसदी वैश्विक हिस्सेदारी के साथ भारत चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा

फुटवियर उत्पादक है। घरेलू बाजार में फुटवियर की खपत लगभग 280 करोड़ जोड़ी रही, जो दुनिया में दूसरे नंबर पर है।

चाइना पवेलियन रहेगा आकर्षण का केंद्र : एफमेक के पूर्व अध्यक्ष कैप्टन एएस राणा ने बताया कि पहली बार चाइना पवेलियन लगाया जा रहा है। विजिटर्स को चाइनीज कंपनियों के प्रतिनिधियों से मिलने तथा फुटवियर कंपोनेंट्स, मैटेरियल और मशीनरी के बारे में सीधे जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। उपाध्यक्ष राजीव वासन ने कहा कि फेयर में कारोबारी नई मशीनरी और उत्पादन समाधान देखकर अपनी इकाइयों के आधुनिकीकरण की दिशा तय कर सकेंगे। उपाध्यक्ष राजेश सहगल के मुताबिक मजबूत पहचान के लिए गुणवत्ता, डिजाइन, टिकाऊपन और आराम पर लगातार काम करना जरूरी है। मीट एट आगरा उद्योग से जुड़े लोगों की इन जरूरतों को पूरा करेगा।

संपादकीय

नीरजा मनोद से स्मित मछार तक,
हिन्दुओं की शूरवीरता की कायल दुनिया



अनीता यादव

30 सितम्बर को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाइटदुबई की उड़ान एफजेड- 1073 में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब कॉकपिट के अंदर दोनों पायलटों के बीच हिंसक झड़प हो गई। घटना के दौरान भारतीय कैप्टन स्मित मच्छार गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद विमान अचानक तेजी से नीचे जाने लगा।

लेगतन स्मित मच्छार की बहादुरी को जहां आज पूरी दुनिया सलाम कर रही है वहीं इस घटना ने आज से लगभग चालीस साल पहले हुई इसी तरह की घटना की याद दिलवा दी है जब एक अन्य हिंदू विरंगना नीरजा भनोट ने अपनी जान दे कर जहाज में सवार कई दर्जन यात्रियों की जान बचाई थी। आज पूरी दुनिया हिन्दुओं की इसी बहादुरी व कर्तव्यपरायणता को सलाम कर रही है। 30 सितम्बर को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाइटदुबई की उड़ान एफजेड- 1073 में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब कॉकपिट के अंदर दोनों पायलटों के बीच हिंसक झड़प हो गई। घटना के दौरान भारतीय कैप्टन स्मित मच्छार गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद विमान अचानक तेजी से नीचे जाने लगा। विमान ने बेहद कम समय में हजारों फीट की ऊंचाई छो दी।स्थिति बिगड़ती देख यात्रियों और चालक इल के सदस्यों ने कॉकपिट तक पहुंचने की कोशिश की। घायल होने के बावजूद कैप्टन मच्छार ने कॉकपिट का दरवाजा खोलने में मदद की, जिससे अंदर मौजूद हमलावर को काबू करने का रास्ता बना। इसके बाद इजरायली यात्री यानिव हतून कॉकपिट के अंदर पहुंचे, हतून ने हमलावर को पीछे से पकड़कर नियंत्रण से दूर किया और पायलट की सीट पर पहुंचकर विमान को संभालने में मदद की। इस तरह स्मित मच्छार ने जहाज में सवार 174 लोगों की जान बचाई, जिनमें अधिकतर इराइली नागरिक थे। विमान को क्रेश करने की कोशिश करने वाला को-पायलट ओमान का निवासी था। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत दुनिया भर के बड़े नेताओं ने इस हिन्दू सपूत की बहादुरी की प्रशंसा की है। नेतन्याहू ने कैप्टन स्मित मच्छार के साहस को ह्वाअविस्वसनीयह्क बताया।

पहाड़ तीर्थ और धार्मिक आयोजन की गरिमा को बचना जरूरी

मनोज कुमार अग्रवाल

हाल ही में देश के विभिन्न हिस्सों से तेज आवाज के कारण गंभीर घटनाएं और मौतें सामने आई हैं,बद्रीनाथ धाम जैसे पवित्र स्थलों और विभिन्न विसर्जन यात्राओं में डीजे के नाम पर होने वाले शोर-शराबे और ड्रांस को लेकर विवाद बढ़ गया है।धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों में डीजे के बढ़ते शोर से गंभीर नुकसान हो रहा है, जो अब केवल सांस्कृतिक धार्मिक कार्यक्रम न रहकर एक बड़ा सामाजिक और स्वास्थ्य संकट का रूप ले चुका है।

हाल ही में पवित्र तीर्थ स्थल बद्रीनाथ पर आयोजित कार्यक्रम के सम्बन्ध में लोगों का मानना है कि ऐसे धार्मिक कार्यक्रमों से शांति और गरिमा नष्ट होती है।ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और भाजपा के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी ने इस आयोजन की कड़ी आलोचना की।इसे देवभूमि की संस्कृति के खिलाफ और बाजारू संस्कृति करार दिया गया। पर्यावरणविदों और स्थानीय लोगों ने भी उच्च हिमालयी और संवेदनशील इको-जोन में तेज बेस व कंपन से ग्लेशियर/पर्यावरण को नुकसान पहुंचने की आशंका जताई। आपको बता दें कि बद्रीनाथ धाम पर मुरली मनोहर जोशी ने चिंता व्यक्त की है कि एक अब खुद जिम्मेदार लोग ही इस पर धर्म और आस्था के नाम पर नियम-कानूनों को ताक पर रखना, प्रकृति को नुकसान पहुंचाना और आम जनता के जीवन से खिलवाड़ करने से बाज नहीं आ रहे हैं, यह विकृति बढ़ रही है। अभी 19 और 20 सितंबर को उत्तराखंड के बद्रीनाथ धाम पर टूरिस्ट अराइवल प्लाजा में दो दिनों के देवभूमि सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम के दौरान तेज आवाज में डीजे, साउंड सिस्टम और गानों पर लोगों के थिरकने के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। इस के बाद आलोचना का दौर शुरू हो गया। आपको यह भी बता दें कि सत्ता रुढ़ दक्षिण पंथी पाठों भाजपा जैन-जी पीढ़ी को संस्कार संस्कृति से

जोड़ कर अपसंस्कृति गालीबाजी और बड़ों को अपशब्द व आपत्तिजनक व्यवहार से बचाने दूसरी ओर टर्न करने के लिए सक्रिय है। इसी कड़ी में देश भर के जैन-जी को आकर्षित करने के लिए कुछ कार्यक्रम किए जा रहे हैं।बद्रीनाथ के कार्यक्रम में खुद उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शामिल हुए। आपको पता रहे अभी दो दिन पहले खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर भजन क्लबिंग में हिस्सा लिया और बाक्यदा ट्यूट किया कि हमारी जैन जी भजन क्लबिंग की ओर बढ़ रही है... यह आध्यात्मिकता और आधुनिकता का एक सुंदर संगम है, जिसमें भजनों की पवित्रता का भी पूरा ध्यान रखा जाता है।वहीं यह भी मानने वाली बात है कि जिन्हें आलोचना करनी है उनको हर काम में बुराई नजर आती है नई पीढ़ी को धर्म अध्यात्म की ओर आकर्षित कर उन्हें ड्रस लिंव-इन रिलेशन अमर्षादित बना हिंसा और विकृत सम्बन्धों से काफी हद तक बचाया जा सकता है। बहरहाल, प्रधानमंत्री ने भजन क्लोबिंग का एक ट्यूट भी किया था यह ट्यूट बता रहा है कि अभी उन्होंने नयी पीढ़ी से जुड़ने की कोशिश की है।नयी पीढ़ी अध्यात्म दर्शन भक्ति और नवोन्मेष के मॉडल को अपना रही है, जिसे वो नैतिकता आध्यात्मिकता और आधुनिकता का संगम कह रहे हैं। नैतिकता आध्यात्मिकता दर्शन नवोन्मेष आधुनिकता में कभी भी अलग-अलग नहीं रहा है, ये हमेशा साथ चले हैं। दूसरी ओर यह भी नकारा नहीं जा सकता है कि कुछ लोग अलग ही किस्म का दर्शन धार्मिक कार्यक्रमों पर थोप रहे हैं, जिसमें भक्ति के नाम पर सड़क पर शोभा यात्रा डीजे और देव स्वरूपों को नचाने का धतकम चल रहा है धर्म के इस दिखावे में धर्म का नुकसान हो रहा है, यदि ऐसा कार्यक्रम तीर्थ स्थलों पर आयोजित किया जाता है तो सदियों से धर्म की रक्षा करने वाले तीर्थों की गरिमा को भी नुकसान पहुंच रहा है। बद्रीनाथ में संस्कृतिक महोत्सव का अपना महत्व है इस तरह के आयोजन की रूपरेखा बनाने समय इस बात का ध्यान रखना

चाहिए कि ऐसे महोत्सव के दौरान तेज संगीत, डीजे वजित रखा जाए और मर्यादाओं में रह कर पहाड़ प्रकृति और धर्म का आचरण किया जाए। हाल ही के बद्रीनाथ कांस्टंट की आलोचना को सिर से नकार देना उचित नहीं है हिमालय प्रेमी और बद्रीनाथ के प्रति श्रद्धा रखने वाले कई लोगों ने कड़ी आपर्ति जताई। यहां तक कि भाजपा के वरिष्ठ नेता और विज्ञान के शिक्षक रहे मुरली मनोहर जोशी ने भी सोशल मीडिया पर इस आयोजन की तीखी आलोचना करते हुए लिखा, बद्रीनाथ धाम में संगीत समारोह को छूट दिया जाना न सिर्फ सांस्कृतिक मर्यादाओं का उल्लंघन है बल्कि धाम की पवित्रता पर भी सीधा आघात है।

आदि गुरु शंकराचार्य महाराज जी द्वारा इस धाम की स्थापना हिमालयी पर्यावरण में शांतिपूर्ण तरीके से भगवत भजन के लिए की थी। गौर करने वाली है कि इस जगह पर शंख बजना भी मना है लेकिन हम उसे भूलकर शोर-शराबे वाले संगीत कार्यक्रमों का आयोजन कर भारतीय आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, पर्यावरणीय मूल्यों की घोर उपेक्षा तो कर ही रहे हैं, साथ में इतनी ऊंचाई पर हजारों लोगों के नाचने से उनके स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों की भी उपेक्षा कर रहे हैं। फिर भी सबक नहीं लिया जा रहा है। और यह बाजारू संस्कृति के रूप में परिणीत किया जा रहा है। जोशीजी की चिंता उचित और विचारणीय है। इसी क्षेत्र के माणा गांव के पूर्व प्रधान पीतान्बर सिंह मोरपाना ने कहा कि हमारा इलाका बहुत ही संवेदनशील है। यहां धार्मिक परंपराओं और स्थानीय लोगों की भावनाओं को समझे बिना कोई भी बड़ा कार्यक्रम करना ठीक नहीं है। उन्होंने याद दिलाया कि चिपको आंदोलन से जुड़े चंडी प्रसाद भट्ट जी जैसे पर्यावरणविदों ने इस क्षेत्र के लिए काफी सुझाव दिए हैं, लेकिन मास्टर प्लान तैयार करते समय उनकी बातों को दरकिनारा किया गया। मास्टर प्लान के तहत पहुंच रहा है। बद्रीनाथ में संस्कृतिक महोत्सव का अपना महत्व है इस तरह के आयोजन की रूपरेखा बनाने समय इस बात का ध्यान रखना

भविष्य में बद्रीनाथ में ऐसे किसी भी कार्यक्रम पर रोक लगाई गई है। लेकिन उसे जवाब देना चाहिए कि पहले ही यह सब क्यों नहीं रोका गया। प्रदूषण से केवल बद्रीनाथ नहीं केदारनाथ धाम भी ग्रस्त है। यहां आई विनाशकारी बाढ़ ने बता दिया था कि किस तरह जरूरत से ज्यादा भीड़ पहुंचने से सारा इको सिस्टम प्रभावित हो रहा है। केदारनाथ क्षेत्र में स्थानीय लोग लंबे समय से पर्यावरण और बढ़ते पर्यटन के दबाव से जुड़ी समस्याओं की ओर ध्यान दिलाते रहे हैं। धाम के आसपास और यात्रा मार्ग पर साल-दर-साल रिकॉर्ड स्तर पर कचरा बढ़ रहा है, जिसका प्रबंधन नहीं हो पा रहा है। पर्यटक अपने पानी की खाली बोतल, खाने-पीने के पैकेट समेत कई सामान खाई में सोधे नीचे फेंक देते हैं, जिसे इकट्ठा करना काफी कठिनाई भरा या असंभव होता है। यह इस संवेदनशील हिमालयी क्षेत्र के पर्यावरण के लिए एक गंभीर चेतावनी है। कचरे के बढ़ने के कारण भारी बारिश में हालात और बिगड़ जाते हैं। अभी रुद्रगंगा में ही लैंडस्लाइड होने की वजह से चारधाम यात्रा रोकनी पड़ी। बताया जा रहा है कि दोनों तरफ से करीब 4000 के आसपास तीर्थ यात्री फंसे हुए हैं। इस तरह की खबरों से जाहिर होता है प्रकृति की मार से इंसान बच नहीं सकता। फिर भी सबक नहीं लिया जा रहा है। और यह केवल पहाड़ों की बात नहीं है, मैदानी इलाकों में भी ध्वनि प्रदूषण से हालत बुरी है। अभी उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में एक स्कूल के बाहर गणेश विराज से के जुलूस के शोर से एक बारह साल की बच्ची की मौत की खबर आई है। कहा जा रहा है कि डीजे के शोर से बच्ची को हार्ट अटैक आया और मौत पर ही उसकी मौत हो गई। इस पूरे मामले का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है।सुप्रीम कोर्ट ने ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए निर्देश दिए हैं, लेकिन धर्म के नाम पर उन निर्देशों की अवहेलना हो रही है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 40 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)



“जो लोग समय का सदुपयोग करते हैं, वही सफलता की नई इबारत लिखते हैं।”
— पंडित जवाहरलाल नेहरू
“जो समय लिए बिना जीवन में कुछ भी बड़ा हासिल नहीं किया जा सकता।” — मगत सिंह



आज का राशिफल

धूम संवत् 2083, शके 1948, माह: आश्विन माह मंहीने के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि सुबह (लगभग 5:52 AM) तक रहेगी, उसके बाद नवमी तिथि लग जाएगी। दोपहर 11:46 AM से 12:33 PM तक (इस दौरान कोई भी नया या धूम कार्य शुरू किया जा सकता है) ब्रह्म मुहूर्त (सुबह): प्रातः 04:38 AM से 05:26 AM तक।

आज जन्म लिए बालक का फल...

परास्वत्य ज्योतिष के अनुसार इस दिन सूर्य कन्या राशि में गोचर कर रहा होगा, जबकि जन्मतिथि के आधार पर बच्चे की राशि सप्तम कलाएगी, इनका व्यक्तित्व आकर्षक और शिष्टाचार उत्कृष्ट होता है। विद्वेही स्वभाव के भी हो सकते हैं, जो तीव्र से हटकर सोचना पसंद करते हैं।

मेघ राशि: दिन सुशिर्यों भरा रहेगा, पैसों के मामले में सतर्क रहें।
वृषभ राशि: दिन अनूपफल है, तयकरी के योग हैं, खान-पान का ध्यान रहें।

मिथुन राशि: व्यापार में नए अवसर और रुके हुए धन की प्राप्ति होगी।
कर्क राशि: दिन मित्र-जुला रहेगा, कार्यक्षेत्र में अछे परिणाम मिलेंगे। रात्रि पक्ष आरोग्य योजनाओं से प्रभावित होगा।

सिंह राशि: समस्याएं सुलझेंगी, व्यवहार में बदलाव से नए दोस्त बनेंगे।
कन्या राशि: दिन शानदार रहेगा, कर्ज से मुक्ति और परिवार संग समय बीतेगा।

तुला राशि: उत्साह भरा दिन, बिजनेस और कला में सफलता व धन लाभ।
वृश्चिक राशि: दिन अनूपफल है, तयकरी के योग हैं, खान-पान का ध्यान रहें।

धनु राशि: परिवार संग समय बीतेगा, खास व्यक्ति से मुलाकात फायदेमंद रहेगी।
मकर राशि: एकाग्रता से काम करें, नौकरी में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों से मदद मिलेगी।

कुम्भ राशि: दिन उत्तम है, दोस्तों का प्रभाव और धन नई रिश्त सौख्येंगे।
मीन राशि: दिन नई उमंगों वाला होगा, नई पहचान और धन लाभ मिलेगा।

साबरमती से बदलती भारतीय रेल की नई तस्वीर

विनोद सिंह 'तहकियावाता

भारतीय रेल की पटरियों पर बदलते भारत की तस्वीर लगातार अधिक स्पष्ट होती जा रही है। भ्रम के डेज़न से शुरू हुई रेल यात्रा आज स्वदेशी तकनीक, विद्युत शक्ति, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आधुनिक सिग्नलिंग और नई ऊर्जा के दौर में प्रवेश कर चुकी है। विकाश की श्रंखला में आज गुजरता का साबरमती इस परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण सक्षी बन रहा है।27 सितंबर 2026 को साबरमती में एक साथ जिन रेल परियोजनाओं का लोकार्पण,शिलान्यास और शुभारंभ हुआ,उन्में भारतीय रेल के वर्तमान और भविष्य दोनों की झलक दिखाई देती है। भारत की पहली एलएनजी संचालित ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के साथ 700 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित डब्ल्यूएजी-12 लोकोमोटिव अनुरक्षण शेंड का लोकार्पण, 122.57 किलोमीटर रेलखंड पर स्थांचलित सिग्नलिंग, 404 किलोमीटर रेलखंड पर स्वेरशे कवच प्रणाली और साबरमती- सरखेज रेल लाइन और साबरमती के दोहरीकरण की शुरुआत इस बदलाव की अलग-अलग कड़ियाँ हैं।केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने साबरमती में आयोजित कार्यक्रम में इन परियोजनाओं का शुभारंभ करते हुए भारतीय रेल में हो रहे तकनीकी और संरचनात्मक बदलावों को रेखांकित किया। इस अवसर की सबसे विशेष उपलब्धि भारत की पहली एलएनजी संचालित ट्रेन का शुभारंभ रही। रेलवे में स्वच्छ ऊर्जा के विकल्पों को बढ़ावा देने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। एलएनजी आधारित रेल परिवहन ऊर्जा दक्षता बढ़ाने और पारंपरिक ईंधन पर निर्भरता कम करने की संभावनाएं प्रस्तुत करता है।भारतीय रेल में पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा संक्रमण की दिशा में लगातार नई तकनीकों को अपनाया जा रहा है और एलएनजी ट्रेन उसी यात्रा का एक नया अध्याय है।भारतीय रेल में पर्यावरण-अनुकूल परिवहन की दिशा में बदलाव केवल एलएनजी तक सीमित नहीं है। रेलवे के बड़े हिस्से की विद्युतीकरण पूरा हो चुका है और डीजल की खपत में लगातार कमी आई है। सन 2010-11 में एक वर्ष में लगभग 75 किलोमीटर रेलमार्ग का विद्युतीकरण होता था,जबकि वर्ष 2023-24 में लगभग 7,188 किलोमीटर रेलमार्ग का विद्युतीकरण किया गया।भारतीय रेल नेटवर्क का लगभग 99.6 प्रतिशत हिस्सा विद्युतीकृत हो चुका है। वर्ष 2015-16 में रेलवे में लगभग 293 करोड़ लीटर डीजल की खपत होती थी, जो वर्ष 2024-25 में घटकर लगभग 108 करोड़ लीटर रह गई। वर्ष 2030 तक रेलवे में डीजल की खपत

को शून्य करने का लक्ष्य इस ऊर्जा परिवर्तन की दिशा को और स्पष्ट करता है।साबरमती की परियोजनाओं का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष माल परिवहन की क्षमता बढ़ाना है। 700 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित डब्ल्यूएजी-12 लोकोमोटिव मेटेनैस शेंड इसी दिशा में महत्वपूर्ण है।डब्ल्यूएजी-12 उच्च क्षमता वाला विद्युत माल लोकोमोटिव है,जिसकी ट्रिवन- सेक्शन क्षमता 12,000 टैंसपावर है।इसकी उच्च क्षमता के कारण भारी और लंबी मालगाड़ियों का संचालन अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकता है।जहाँ पहले भारी मालगाड़ियों के संचालन के लिए दो लोकोमोटिव लगाने की आवश्यकता पड़ती थी,वहीं उच्च क्षमता वाले डब्ल्यूएजी-12 से माल मुहानों की दक्षता बढ़ाने में सहायता मिलेगी।गुजरात जैसे औद्योगिक और व्यापारिक राज्य में इसका महत्व और बढ़ जाता है। देश के औद्योगिक उत्पादन केंद्रों को बंदरगाहों और अन्य बाजारों से जोड़ने में रेल माल परिवहन की भूमिका निर्णायक है। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर और डबल-स्टैक कंटेनर ट्रेन इसी बदलाव का हिस्सा हैं। जेएनपीटी मुंबई से वडोदरा तक लंबी दूरी की डबल-स्टैक कंटेनर ट्रेन के सफल संचालन ने भी यह दिखाया है कि मौजूदा रेल नेटवर्क की क्षमता का अधिक प्रभावी उपयोग किस प्रकार किया जा सकता है। उच्च क्षमता वाले विद्युत लोकोमोटिव इस व्यवस्था को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।रेलवे का आधुनिकीकरण केवल गति और क्षमता का विषय नहीं है। रेल नेटवर्क जितना व्यस्त होगा, सुरक्षा और सिग्नलिंग की भूमिका उतनी ही महत्वपूर्ण होती जाएगी।साबरमती-साणंद-जखवाड़ा तथा साबरमती-करोल-भांडू मोटीदाउ रेलखंड पर 122.57 किलोमीटर रेलखंड से संचालित ब्लॉक सिग्नलिंग प्रणाली का लोकार्पण इसी आवश्यकता का उत्तर है। स्वचालित सिग्नलिंग से ट्रेनों के बीच सुरक्षित दूरी बनाए रखने के साथ रेलखंड की परिचालन क्षमता बढ़ाने में सहायता मिलती है। इसका अर्थ है कि मौजूदा बुनियादी ढाँचे का बेहतर उपयोग करते हुए अधिक ट्रेनों को सुरक्षित ढंग से संचालित किया जा सकेगा।इसी सुरक्षा श्रृंखला में अहमदाबाद-पालनपुर और अहमदाबाद-सामाखियाली रेलखंड पर कुल 404 किलोमीटर में कवच प्रणाली का कार्य विशेष महत्व रखता है। लगभग 411 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना में अहमदाबाद-पालनपुर का 157 किलोमीटर और अहमदाबाद- सामाखियाली का 247 किलोमीटर रेलखंड शामिल है। भारत में विकसित कवच स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली है।

पाँक्सो बना वैवाहिक जंग का हथियार तो सुप्रीम कोर्ट ने खींची लक्ष्मण रेखा!

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

न्याय के तराजू पर तीन संवेदनशील मामलों! -वैवाहिक विवादों में पाँक्सो दुरुपयोग पर सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देश, डॉबिवली पॉर्षद की जमानत रिश-संज्ञान लेकर इसे 2012 के निर्भया प्रकरण की पीड़ादायक याद दिताने वाला बताया और सार्वजनिक स्थानों की सुरक्षा तथा प्रशासनिक जवाबदेही पर सवाल उठाए।इसी दिन महाराष्ट्र के डॉबिवली स्थित शास्त्रीनगर अस्पताल में चिकित्सकों पर कथित हमले के मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने एक राजनीतिक पार्टी के पाँक्षदों मिली जमानत पर रोक लगाते हुए तीन दिनों में आत्मसमर्पण का निर्देश दिया और चिकित्सा समुदाय की सुरक्षा पर कठोर संदेश दिया।तीसरा और दूरगामी घटनाक्रम 24 सितंबर 2026 का आर बनाम ई एवं अन्य,2026 आइएनएससी 1049 फैसला है,जिसमें वैवाहिक एवं बाल-अभिरक्षा विवादों के बीच पाँक्सो कानून के संभावित दुरुपयोग को रोकने के लिए सर्वोच्च न्यायालय ने विस्तृत सुरक्षा उपाय निर्धारित किए।

साथियों दिल्ली-एनसीआर की घटना में सर्वोच्च न्यायालय ने स्वयं संज्ञान लेते हुए अपनी रिजक्टरी को जनहित मामला दर्ज करने का निर्देश दिया।उपलब्ध विवरण के अनुसार 16 तीन घटनाक्रमों ने न्याय,सुरक्षा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के इसी संतुलन को राष्ट्रीय विपक्ष के केंद्र में ला दिया। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोदिया महाराष्ट्र बताया चाहूँगा कि

28 सितंबर को न्यायालय ने दिल्ली-एनसीआर में हाल की यौन अपराध की घटनाओं,जिनमें चलती स्त्रीपर बस में नाबालिग के साथ कथित सामूहिक यौन अपराध भी शामिल है,का स्वतः संज्ञान लेकर इसे 2012 के निर्भया प्रकरण की पीड़ादायक याद दिताने वाला बताया और सार्वजनिक स्थानों की सुरक्षा तथा प्रशासनिक जवाबदेही पर सवाल उठाए।इसी दिन महाराष्ट्र के डॉबिवली स्थित शास्त्रीनगर अस्पताल में चिकित्सकों पर कथित हमले के मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने एक राजनीतिक पार्टी के पाँक्षदों मिली जमानत पर रोक लगाते हुए तीन दिनों में आत्मसमर्पण का निर्देश दिया और चिकित्सा समुदाय की सुरक्षा पर कठोर संदेश दिया।तीसरा और दूरगामी घटनाक्रम 24 सितंबर 2026 का आर बनाम ई एवं अन्य,2026 आइएनएससी 1049 फैसला है,जिसमें वैवाहिक एवं बाल-अभिरक्षा विवादों के बीच पाँक्सो कानून के संभावित दुरुपयोग को रोकने के लिए सर्वोच्च न्यायालय ने विस्तृत सुरक्षा उपाय निर्धारित किए।

साथियों दिल्ली-एनसीआर की घटना में सर्वोच्च न्यायालय ने स्वयं संज्ञान लेते हुए अपनी रिजक्टरी को जनहित मामला दर्ज करने का निर्देश दिया।उपलब्ध विवरण के अनुसार 16 तीन घटनाक्रमों ने न्याय,सुरक्षा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के इसी संतुलन को राष्ट्रीय विपक्ष के केंद्र में ला दिया। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोदिया महाराष्ट्र बताया चाहूँगा कि

स्थान कमजोर प्रकाश व्यवस्था, अपराधों निगरानी और प्रशासनिक कर्मियों के कारण उच्च जोखिम वाले क्षेत्र नहीं बनने दिए जा सकते।नाबालिग से यौन अपराध के मामलों में लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (पाँक्सो) के प्रासंगिक प्रावधान तथा तथ्य के अनुसार भारतीय न्याय संहिता,2023 के यौन अपराध संबंधी प्रावधान लागू हो सकते हैं; हालांकि किसी विशेष धारा का अंतिम निर्धारण प्राथमिकी, पीडिता के बयान,चिकित्सकीय-साक्ष्य और आरोपण पर निर्भर करता है।अतःन्यायालय के स्वतः संज्ञान को किसी आरोपी के अपराध का अंतिम न्यायिक निष्कर्ष नहीं माना जाना चाहिए।

साथियों, दूसरी ओर डॉबिवली अस्पताल प्रकरण सता या सामाजिक प्रभाव से ऊपर कानून के शासन का रखने का दायित्व प्रस्तुत करता है। रमेश म्हात्रे और अन्य पर चिकित्सकों एवं अस्पताल कर्मचारियों से कथित मारपीट का मामला है। प्राथमिकी में भारतीय न्याय संहिता की धारा 132 लोक सेवक को कर्तव्य निर्वहन से रोकने के लिए हमला या आपराधिक बल,धारा121(1) लोक सेवक को चोट पहुंचाने से संबंधित प्रावधान, धारा 351(1) आपराधिक धमकी, धारा 352 जानबूझकर अपमान,धारा 189 (2) विधिबिरुद्ध जमाव और धारा 191(2) दया सहित प्रावधान लागू जाने की खबर है। मामलों में महाराष्ट्र के चिकित्सा सेवा कर्मियों

और चिकित्सा संस्थानों में हिंसा एवं संपत्ति की क्षति रोकने संबंधी विशेष राज्य कानून के प्रावधान भी लगाए गए हैं।सर्वोच्च न्यायालय ने 28 सितंबर को उच्च न्यायालय द्वारा दी गई जमानत को रोक लगाते हुए आरोपों को तीन दिनों में आत्मसमर्पण का निर्देश दिया। पीठ के समक्ष उसके पूर्व आपराधिक मामलों का रिकॉर्ड भी विचार में आया।महत्वपूर्ण है कि मुकदमा अभी न्यायिक प्रक्रिया में है, इसलिए आरोपों को अंतिम दोषसिद्धि के समान नहीं समझा जाना चाहिए। साथियों इन घटनाक्रमों में सबसे व्यापक कानूनी प्रभाव वाला निर्णय आर बनाम ई एवं अन्य,सिविल अपील संख्या 13119/ 2026, विशेष अनुमति याचिका (सिविल) संख्या 1092/2024 से उत्पन्न संबंधित आपराधिक अपीलों तथा अवमान याचिका संख्या 208/2024 है। माननीय दो सदस्यों की पीठ के सामने माता-पिता के बीच लंबे समय से चल रहा वैवाहिक एवं बच्चे की अभिरक्षा का विवाद था।बच्चे का जन्म 2015 में हुआ था।बंगलुरु परिवार न्यायालय ने मार्च 2022 में अभिरक्षा पिता को दी,जिसे जनवरी 2023 में कर्नाटक उच्च न्यायालय और बाद में सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती असफल होने के बाद प्रभावी रखा गया। इसके बाद 2024 में माँ की ओर से पिता तथा परिवार के सदस्यों के विरुद्ध बच्चे के यौन शोषण का आरोप लगाते हुएसमपला दर्ज कराया गया, जिसमें पाँक्सो अधिनियम की धारा 10,किशोर न्याय

(बालकों को देखरेख औरसंरक्षण) अधिनियम की धारा 75 तथा तत्कालीन भारतीय दंड संहिता के प्रावधान शामिल थे।आरोपों की असाधारण गंभीरता देखते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने अप्रैल 2026 में जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो को सौंपी और बाल एवं किशोर मनोचिकित्सा तथा नैदानिक मनोविज्ञान विशेषज्ञों की सहायता लेने की व्यवस्था की। जांच में बच्चे के बयान, सीसीटीवी दृश्य, चिकित्सा- मनोवैज्ञानिक सामग्री तथा परिस्थितियों का परीक्षण किया गया। न्यायालय के समक्ष आई सबीआई सामग्री में आरोप विवरणस्थ नहीं पाए गए और न्यायालय ने निष्कर्ष निकाला कि आपराधिक कार्यवाही जारी रखना न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा।

फलतः संबंधित प्राथमिकी और कार्यवाही रद्द कर दी गई तथा बच्चे की कानूनी अभिरक्षा पिता के पास बनाए रखने का निर्देश दिया गया। न्यायालय ने फैसले की शुरुआत में इस गंभीर परिस्थिति को रखांकित किया कि जब माता-पिता की कटुता बच्चे के यौन उत्पीड़न के अनुचित आरोप तक पहुंच जाए तो विवाद बिकुल अलग और अत्यंत गंभीर आयाम सटिका से ग्रहण कर लेता है। साथियों, इस निर्णय का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष भविष्य के मामलों के लिए बनाया गया न्यायिक सुरक्षा-कवच है। जहां बच्चे के साथ रहने वाले माता-पिता अथवा परिवार के सदस्य के विरुद्ध पाँक्सो अपराध का आरोप हो और माता-पिता के बीच वैवाहिक विवाद भी मौजूद हो, वहां जांच

अधिकारी को गिरफ्तारी के प्रश्न पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 35 के मानकों का कठोरता से पालन करना होगा। ऐसे मामलों में बाल एवं किशोर मनोचिकित्सा अथवा नैदानिक मनोविज्ञान विशेषज्ञ की सहायता लेकर बच्चे का स्वास्थ्य मूल्यांकन कराया जाना महत्वपूर्ण सुरक्षा उपाय बनाया गया है। विशेषज्ञ सामान्यतःपाँक्सो नियम, 2020 के नियम 5 के अंतर्गत जिला बाल संरक्षण इकाई के उपलब्ध विशेषज्ञों में से लिया जा सकता है।

इसका उद्देश्य बच्चे पर किसी प्रकार के प्रभाव, परिस्थितियों और उसके कथन को प्रेशेवर दृष्टि से समझने में जांच की सहायता करना है। सर्वोच्च न्यायालय ने एक और अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्धांत स्पष्ट किया,केवल पाँक्सो प्राथमिकी दर्ज हो जाना आरोप को सत्य सिद्ध नहीं करता और न उससे किसी माता-पिता का अभिरक्षा या संरक्षकत्व का दावा स्वतः समाप्त होता है।परिवार न्यायालय को उपलब्ध सामग्री और जांच के तथ्यों के आधार पर स्वतंत्र प्रथमदृष्टया राय बनानी होगी।इसी प्रकार पाँक्सो अधिनियम की धारा 33 के अंतर्गत विशेष न्यायालय के सामने सीधे निजी शिकायत आने पर भी,निर्धारित परिस्थितियों में संज्ञान लेने और प्रक्रिया आगे बढ़ाने से पहले बच्चे के विशेषज्ञ मूल्यांकन को अन्य सामग्री के साथ देखा जाना चाहिए।

(- लेखक ऋर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत प्रभावदा सीए (एटीसी) है)

एआई से जुड़े महाविनाश के खतरे: नियंत्रित कमान जरूरी

ललित गर्ग

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज मानव सभ्यता की सबसे प्रभावशाली तकनीकी उपलब्धियों में शामिल है। चिकित्सा, शिक्षा, अंतरिक्ष, विज्ञान, रोजगार, उद्योग और प्रशासन से लेकर कृषिपर्यंत के जीवन तक इसके उपयोग ने विकास की गति को अभूतपूर्व बनाया है। लेकिन जितनी तेजी से एआई की क्षमताएं बढ़ रही हैं, उतनी ही गंभीरता से उसके दुरुपयोग और नियंत्रण से बाहर जाने के जोखिमों पर भी विचार करना होगा। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पैनल ने भी चेतावनी है कि एआई की क्षमताओं की गति के मुकाबले उसके सुरक्षित उपयोग के नियम छोड़ रहे हैं और अधिक स्वायत्त एआई एजेंटों के साथ मानव नियंत्रण बनाए रखना एक वास्तविक चुनौती बन रहा है। इसी संदर्भ में मॉडकोरॉफ के सह-संस्थापक बिल गेट्स की हालिया चेतावनी विशेष महत्व रखती है। उन्होंने कहा है कि

एआई गलत हाथों में पड़ने पर अत्यंत व्यापक जनहानि का माध्यम बन सकता है और सरकारों को इसके लिए प्रभावी नियमन की दिशा में काम करना चाहिए। गेट्स की चिंता केवल भविष्य की किसी काल्पनिक आशंका पर आधारित नहीं है, एआई के दुरुपयोग के कुछ ठोस उदाहरण सामने आने लगे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव एआई एजेंट्स के रूप में दिखाई दे रहा है। पारंपरिक एआई मुख्यतः प्रश्नों के उत्तर देता था, लेकिन एजेंट इंटरनेट पर सफ़ा है, वेबसाइट खोल सकता है, कोड लिख सकता है, सूचनाएं खोज सकता है और निर्धारित लक्ष्य पूरा करने के लिए अनेक चरणों में स्वयं कार्रवाई कर सकता है। यही क्षमता उपयोगी होने के साथ जोखिमपूर्ण भी है। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के वैज्ञानिक पैनल ने ओपेनएआई से संबंधित एक घटना का उल्लेख किया, जिसमें परीक्षण के दौरान एआई एजेंट्स ने स्वयं जोखिमों को लेकर सुरक्षा उपायों की जरूरत स्वीकार की। एआई के सैन्य दुरुपयोग की आशंका

तथा हथिंग फेस की प्रणालियों के कुछ हिस्सों से समझौता किया। स्वतंत्र संस्था एमईआईटी की जांच के अनुसार इस घटना में लगभग 1,200 एजेंट्स ने 70,000 से अधिक संदेश और फाइलें साझा कीं तथा लगभग 700 एजेंट्स हथिंग फेस पर हुए हमले में शामिल हुए। यहां साधनानी जरूरी है। इन घटनाओं को यह प्रमाण मान लेना कि एआई निश्चित रूप से मानव नियंत्रण से बाहर हो गया है, दयाकारण रूप से सही नहीं होगा। ये नियंत्रित परीक्षण और सुरक्षा-मूल्यांकन के दौरान सामने आई घटनाएं थीं। लेकिन इनका महत्व इस बात में है, तो वे उन रास्तों का इस्तेमाल कर सकते हैं जिनकी कल्पना उनके निर्माताओं ने नहीं की थी। स्वयं ओपेनएआई ने भी एजेंट्स के इंटरनेट उपयोग, बाहरी सामग्री से होने वाले 'प्रॉम्प्ट इंजेक्शन' और डेटा एंथ्रॉप के जोखिमों को लेकर सुरक्षा उपायों की जरूरत स्वीकार की। एआई के सैन्य दुरुपयोग की आशंका

भी अब केवल सैद्धांतिक नहीं रह गई है। सितंबर 2026 में एंश्रोफिक ने बताया कि चयन में हूती-नियंत्रित एआई से जुड़े लोगों ने उसके क्लाइड क्षेत्र में इस्तेमाल निर्देशित रॉकेट और मिसाइलों के मार्गदर्शन, नियंत्रण और नेविगेशन से जुड़े सॉफ्टवेयर विकसित करने के प्रयास में किया। कंपनी के अनुसार सुरक्षा उपायों ने अनेक अनुरोधों को रोक, लेकिन उपयोगकर्ताओं ने अपनी रंका छिपाकर और काम को अलग-अलग सत्रों में बांटकर कुछ सुरक्षा अवरोधों को पार करने की कोशिश की। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार हथियार-विकास का प्रयास सफल नहीं हुआ, हालांकि एक निर्देशित रॉकेट की परीक्षण विफल हुआ और उसके बाद एआई से उसकी समस्या समझने

दक्षिण कोरिया को टोंप की चेतावनी : अलास्का एलएनजी में निवेश नहीं किया तो बढ़ेगा आर्थिक बला

वांशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण कोरिया को अलास्का के प्रस्तावित एलएनजी प्रोजेक्ट में निवेश को लेकर दबाव डालते हुए कहा है कि अगर सियोल जल्द समझौते पर सहमत नहीं होता है, तो अमेरिका उससे “ज्यादा पैसे वसूलेगा।” ट्रंप ने यह भी कहा कि अगर दक्षिण कोरिया जल्द हस्ताक्षर नहीं करता है तो वह रकम दोगुनी कर देंगे। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि अतिरिक्त राशि किस रूप में ली जाएगी। दक्षिण कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी योनहाप के अनुसार, ट्रंप की यह टिप्पणी व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान आई। इससे दो दिन पहले उन्होंने दक्षिण कोरिया के अमेरिकी निवेश पैकेज के तहत अलास्का एलएनजी परियोजना, टेक्सस में गैस आधारित बिजली संयंत्र और आठ परमाणु ऊर्जा संयंत्रों से जुड़ी योजनाओं की घोषणा की थी। हालांकि, दक्षिण कोरियाई सरकार ने स्पष्ट किया है कि अलास्का एलएनजी परियोजना में निवेश अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है। सियोल का कहना है कि परियोजना की व्यावसायिक व्यवहार्यता और अन्य शर्तों की समीक्षा के बाद ही आगे बढ़ा जाएगा।

अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हर्बर्ट लेगेने ने पहले कहा था कि दक्षिण कोरिया अलास्का एलएनजी परियोजना में 50 अरब डॉलर से अधिक का निवेश करेगा। वहीं, अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच जारी दस्तावेजों में परियोजना को वाणिज्यिक शर्तों और कानूनी आवश्यकताओं की पूर्ति से जोड़कर देखा गया है। अलास्का एलएनजी परियोजना में राज्य के नॉर्थ स्लोप से दक्षिणी अलास्का तक करीब 1,2७8 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बनाने और प्राकृतिक गैस को तरलीकृत कर एशियाई बाजारों में भेजने की योजना है। परियोजना की अनुमानित लागत करीब 44.5 से 54.5 अरब डॉलर बताई गई है। इस घटनाक्रम से अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच निवेश समझौते की शर्तों को लेकर दोनों पक्षों के बयानों में अंतर भी सामने आया है। जहां अमेरिकी प्रशासन परियोजना में दक्षिण कोरियाई निवेश को घोषित कर चुका है, वहीं सियोल ने अभी इसे अंतिम निवेश प्रतिबद्धता नहीं माना है।

बलोच लड़ाकों ने बिजली ढांचे और पाकिस्तानी सेना के काफिलों पर किए हमले : बीआरजी

क्वेटा। बलोचिस्तान में दो बलोच हथियारबंद गुटों ने बिजली के बुनियादी ढांचे और पाकिस्तानी सेना के काफिलों पर हमले करने का दावा किया है। एक गुट ने कच्छी जिले में सेना के काफिले पर घात लगाकर किए गए हमले में चार जवानों के मारे जाने का दावा किया है। इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।

बलूचिस्तान की ऑनलाइन समाचार नेटवर्क ‘द बलूचिस्तान पोस्ट’ के मुताबिक, बलोच रिपब्लिकन गार्ड्स (बीआरजी) ने शुक्रवार को दावा किया कि उसके लड़ाकों ने सिबी के कटपार इलाके में बिजली ट्रॉंसमिशन लाइन के दो मुख्य टावरों को विस्फोटकों से उड़ा दिया। हमले में दो अन्य टावर भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुए। संगठन के प्रवक्ता दोस्तेन बलोच के अनुसार, गुरवार शाम कच्छी जिले के सन्नौ के पास पाकिस्तानी सेना के एक काफिले पर हमले का भी दावा किया। प्रवक्ता ने कहा कि लड़ाकों ने भारी और स्वचालित हथियारों से एक वाहन को नफासा बनाया, जिसमें कई सैनिक मारे गए या घायल हुए। हालांकि, संगठन ने हताहतों की संख्या नहीं बताई। इसी बीच, यूनाइटेड बलोच आर्मी (यूबीए) ने भी कच्छी के सन्नौ चिघाईई इलाके में सेना के तीन वाहनों वाले काफिले पर हमला करने का दावा किया। संगठन के अनुसार, हमला गुरवार सुबह करीब 11:30 बजे किया गया, जिसमें चार सैनिक मारे गए और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हुए। यूबीए के प्रवक्ता मजार बलोच ने दावा किया कि सेना का काफिला इलाके में चलाए जा रहे एक सैन्य अभियान का हिस्सा था। उनके मुताबिक, दोनों पक्षों के बीच करीब 90 मिनट तक मुठभेड़ हुई, जिसके बाद संगठन के लड़ाके वहां से हट गए। दोनों संगठनों ने बलोचिस्तान की स्वतंत्रता की मांग की है और अपने सशस्त्र अभियान जारी रखने की बात कही है। हालांकि, उनके दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

रामबन में एनएच-44 पर दो सड़क हादसे, महिला की मौत, 46 घायल

रामबन। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) पर शुक्रवार सुबह रामबन जिले में सड़क दुर्घटना के दो अलग-अलग मामले सामने आए। हादसों में एक महिला की मौत हो गई, जबकि 46 लोग घायल हुए हैं। गंभीर रूप से घायल लोगों को बेहतर इलाज के लिए जीएमसी जम्मू रेफर किया गया है। रामबन जिला प्रशासन के अनुसार, जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे (एनएच-44) पर घटे हादसों में पहली दुर्घटना रामबन के मारोगे इलाके में टनल टी-2 के पास हुई। इस हादसे में एक यात्री वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिससे करीब 38 यात्री घायल हो गए। इसी हादसे में घायल लोगों को बचाने के लिए जाते समय उसी इलाके में विक्क रिस्पॉन्स टीम (व्यूआरटी) का वाहन भी दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में आठ लोग घायल बताए जा रहे हैं। बस वाली पहली दु्खद घटना में एक महिला की मौत हो गई है। गंभीर रूप से घायल अन्य लोगों को बेहतर इलाज के लिए जीएमसी जम्मू रेफर किया गया है, जबकि बाकी घायलों का इलाज जिला अस्पताल रामबन में चल रहा है। रामबन जिला प्रशासन ने पुष्टि की है कि घायलों को हर संभव मदद और चिकित्सा सुविधा दी जा रही है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रामबन में हुए दु्खद बस हादसे पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। एक पोस्ट में उपराज्यपाल ने लिखा, “रामबन में हुए दु्खद बस हादसे से मैं बहुत दुःखी हूं, जिसमें एक महिला की जान चली गई। शोक संतप्त परिवार के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। मैंने रामबन के डीसी से बात करके सुनिश्चित किया है कि सभी रूप से घायल लोगों को जीएमसी जम्मू ले जाया जाए और उन्हें सर्वोत्तम संभव उपचार मिले। मैं उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।”

मराठवाड़ा के हिंगोली और नांदेड़ में भूकंप के लगातार झटके, दहशत में घरों से बाहर निकले लोग

मुंबई। महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र में शनिवार सुबह लगातार भूकंप के झटकों से लोगों में दहशत फैल गई। हिंगोली और नांदेड़ जिलों के कई इलाकों में कंपन महसूस किया गया। हिंगोली जिले में सुबह 7.47 बजे 3.3 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार इसका केंद्र हिंगोली जिले की आँढा नागनाथ तहसील के गढाला क्षेत्र में था। जिला प्रशासन के अनुसार, शुरुआती भूकंप के बाद सुबह 10 बजे तक हिंगोली क्षेत्र में तीन और झटके महसूस किए गए। इनमें सुबह 9.43 बजे, 9.51 बजे और 10 बजे आए कंपन शामिल थे। लगातार झटके महसूस होने से लोगों में भय का माहौल बन गया और कई लोग घरों से निकलकर खुले स्थानों पर पहुंच गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि कंपन के दौरान जमीन के भीतर से गड़गड़ाहट जैसी आवाज सुनाई दी। कई घरों में रखे बर्तन और लकड़ी का सामान हिलने लगा। हालांकि, शुरुआती जानकारी के अनुसार भूकंप के झटकों से किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। हिंगोली के साथ नांदेड़ जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में भी शनिवार सुबह करीब 9.43 बजे भूकंप का झटका महसूस किया गया। कंपन महसूस होते ही कई लोग एहतियातन घरों से बाहर निकल आए। प्रशासन स्थिति पर नजर बनाया हुए है। नांदेड़ में भी फिलहाल किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। उल्लेखनीय है कि मराठवाड़ा में लगातार भूकंपीय गतिविधि के बीच गुरवार रात करीब 9.41 बजे वसमत तहसील के पंगरा शिंदे क्षेत्र में जमीन के भीतर से तेज आवाज सुनाई देने की जानकारी सामने आई थी। हालांकि, उस घटना का कोई आधिकारिक सिस्मोग्राफ रिकॉर्ड नहीं मिला था। लगातार कंपन से स्थानीय लोगों को जुलाई में क्षेत्र में आए भूकंपों की याद ताजा हो गई है। इसके चलते ग्रामीण और शहरी इलाकों में लोग अतिरिक्त सचेतना बरत रहे हैं। वसमत के उपविभागीय अधिकारी विकास माने ने बताया कि शनिवार सुबह 7.47 बजे दर्ज भूकंप की तीव्रता 3.3 थी। उन्होंने कहा कि इसकी तीव्रता कम है, इसलिए लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने लोगों से सतर्क रहने और अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि भूकंप के दौरान घबराने के बजाय सुरक्षित स्थान पर रहें और किसी भी जानकारी के लिए आधिकारिक स्रोतों पर भरोसा करें।

योगी सरकार कर रही इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग नेटवर्क का विस्तार

एजेंसी. लखनऊ

उत्तर प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए सार्वजनिक चार्जिंग ढांचे के विस्तार को योजना पर काम तेज किया जा रहा है। योगी सरकार में प्रधानमंत्री ई-इंवाय योजना के अंतर्गत यूपी रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी (यूपीआरईवी) द्वारा राज्य में बड़े स्तर पर सार्वजनिक इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन विकसित किए जा रहे हैं। योजना के मौजूदा चरण में 20 समूहों में 238 स्थान स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 99 स्थानों के लिए समझौता ज्ञापन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, जबकि 139 स्थानों पर समझौता ज्ञापन लिखित हैं।

20 समूहों में 238 स्थान स्वीकृत: प्रस्तावित चार्जिंग नेटवर्क के तहत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में गौतमबुद्ध नगर (नोएडा-ग्रेटर नोएडा) में 39, गाजियाबाद में 6 और मेरठ में 35 स्थान शामिल हैं। गैर-एनसीआर क्षेत्र में आगरा के 21, प्रयागराज के 13, गोरखपुर के 32, कानपुर के 12, कानपुर देहात के 2, लखनऊ के 36, मथुरा के 14 और वाराणसी के 28 स्थान प्रस्तावित हैं। कुल 238 स्वीकृत स्थानों में से 99 पर समझौता ज्ञापन निष्पादित हो चुके हैं।

प्रधानमंत्री ई-इंवाय योजना के दूसरे चरण में एनसीआर के 8 जिलों और माल परिवहन गलियारों को ध्यान में रखते हुए कुल 1,500 स्थानों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इनमें नगर निगमों,

अचानक सीने में दर्द के कारण बंगाल विधानसभा के स्पीकर रथींद्र बोस अस्पताल में भर्ती

एजेंसी. कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष रथींद्र बोस को शुक्रवार रात सीने में तेज दर्द की शिकायत के बाद ईएम बाईपास स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल प्रबंधन से मिली जानकारी के अनुसार, तत्काल चिकित्सा शुरू होने के बाद अब उनकी स्थिति स्थिर है और वे लगातार वरिष्ठ चिकित्सकों की निगरानी में हैं।

पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि, शुक्रवार को स्पीकर रथींद्र बोस ने विधानसभा परिसर में आयोजित महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती समारोह में सक्रिय रूप से हिस्सा लिया था। इसके अलावा उन्होंने दिन भर कई अन्य आधिकारिक कार्यक्रमों में भी शिरकत की। रात को कार्यक्रम से घर लौटने के बाद अचानक उन्हें सीने में तेज दर्द महसूस हुआ। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए परिवार के सदस्य उन्हें तुरंत अस्पताल ले गए। अस्पताल पहुंचने पर आपातकालीन



विभाग के चिकित्सकों ने बिना समय गंवाए उनका इलाज शुरू किया और कई आवश्यक स्वास्थ्य जांच भी कीं। डॉक्टरों के अनुसार उनकी स्थिति में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है, हालांकि एहतियात के तौर पर उन्हें अभी अस्पताल में ही आब्जर्वेशन (निगरानी) में रखा गया है। गौरतलब है कि, रथींद्र बोस इसी साल पंद्रह मई को निर्विरोध पश्चिम बंगाल विधानसभा के नए स्पीकर चुने गए थे। वे पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं और लंबे समय तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े रहे हैं।

प्रियंका कक्कड़, रजत राकेश टंडन और श्याम सुंदर शर्मा कांग्रेस में शामिल, कक्कड़ ने आआपा छोड़ने की वजह बताई

एजेंसी. नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी की पूर्व मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़, पत्रकार रजत राकेश टंडन और उत्तर प्रदेश के पूर्व विधायक श्याम सुंदर शर्मा शनिवार को कांग्रेस में शामिल हुए। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद राजीव शुक्ला, सेंयद नसीर हुसैन और पार्टी मीडिया विभाग के अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद पवन खेड़ा समेत अन्य नेताओं की मौजूदगी में तीनों ने पार्टी की सदस्यता ली। यहां शनिवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस में शामिल हुए श्याम सुंदर शर्मा उत्तर प्रदेश में आठ बार विधायक और पूर्व मंत्री रह चुके हैं। वहीं, रजत राकेश टंडन के परिवार का कांग्रेस से पुराना जुड़ाव रहा है और उन्होंने दो दशक से अधिक समय तक पत्रकारिता की है। प्रियंका कक्कड़ आम आदमी पार्टी की पूर्व मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता और उच्चतम न्यायालय की वरिष्ठ अधिवक्ता हैं।

कांग्रेस में शामिल होने के बाद प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि अगर कोई नेता अपने विचारों को आगे



बढ़ाने से नहीं डरता है तो वह राहुल गांधी हैं। उन्होंने राहुल गांधी की ओर से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर चलाए जा रहे अभियान का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने इस मुद्दे पर लोगों को जागरूक किया।

कक्कड़ ने आम आदमी पार्टी में अपने अनुभवों का जिक्र करते हुए कहा कि एक समय पार्टी ने कहा था कि वह बंगला या कार नहीं लेगी लेकिन बाद में निजी यात्रा के लिए हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल होने लगा। एक समय आम आदमी पार्टी ने बड़ी संख्या में प्रतिभाशाली और समझदार लोगों को आकर्षित किया था, लेकिन बाद में वह उन्हें अपने साथ नहीं रख

शिवाजी पार्क में प्रदर्शन करने पर अभिजीत दीपके समेत 500 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

एजेंसी. मुंबई

मुंबई के छत्रपति शिवाजी पार्क में बिना अनुमति विरोध प्रदर्शन करने के मामले में कॉन्ग्रेस जन्ता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके समेत करीब 500 प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस ने शनिवार को मामला दर्ज किया है। पुलिस ने सार्वजनिक मार्ग पर सभा करने, भीड़ जुटाने, नारे लगाने और लाउडस्पीकर का इस्तेमाल करने के आरोपों में यह कार्रवाई की है। इस मामले की गहन छानबीन की जा रही है, अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। इस मामले की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि 2 अक्टूबर को शाम 4 से 7 बजे के बीच शिवाजी पार्क इलाके में सीजेपी और उस विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया था। प्रदर्शन के लिए देशभर से युवाओं के पहुंचने का दावा किया गया। स्थानीय लोगों

इसके बावजूद सीजेपी की ओर से यहां प्रदर्शन किया था। प्रदर्शन के दौरान दीपके ने चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर निशाना साधा था।

दीपके ने स्थानीय लोगों के विरोध पर दावा किया था कि प्रदर्शन का विरोध करने वाले लोग स्थानीय नागरिक नहीं, बल्कि भाजपा के पदाधिकारी हैं। इसी वजह से यह कार्रवाई की गई है। इस मामले में अभिजीत दीपके के अलावा अजिंक्य शिंदे, प्रणय अहिरे, आशुतोष रांका, सौरभ दास, आफरीन नवाज, सान्धा कोर्डे, अंकित भारद्वाज, विजय मालगी और योगेश इंगले समेत अन्य प्रदर्शनकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 189(2), 223 तथा महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की धारा 37(1), 37(3) और 135 के

विकास प्राधिकरण के लिए 10 और विद्युत वितरण कंपनियों के लिए 26 स्थानों की पहचान की गई है।इस योजना के तहत मेडिकल कॉलेजों, जिला अस्पतालों, औद्योगिक क्षेत्रों, उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण के औद्योगिक पार्कों, विश्वविद्यालयों, गन्ना संस्थान केंद्रों, मंडी समितियों तथा जिलाधिकारी कार्यालय, विकास भवन और तहसील कार्यालयों जैसे स्थानों को भी शामिल किया गया है। प्रस्तावित सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों में 60 किलोवाट क्षमता के दो डीसी चार्जर और 12 किलोवाट क्षमता के एक एसी/डीसी चार्जर की व्यवस्था का प्रावधान है। योजना का उद्देश्य प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहन उपयोगकर्ताओं के लिए सुलभ, विश्वसनीय और व्यापक सार्वजनिक चार्जिंग ढांचा तैयार करना है। दरअसल, अभी हाल ही में मुख्य सचिव की बैठक में बताया गया कि एनसीआर एवं नॉन-एनसीआर क्षेत्रों में चिन्हित 238 लोकेशन के सापेक्ष अब तक 99 एमओयू पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं, जबकि 139 लोकेशन के एमओयू शेष हैं। मुख्य सचिव ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने-अपने जनपदों में सार्वजनिक स्थलों, बड़े कार्यालयों, बस स्टेशनों, इंडस्ट्रियल पार्कों, शिक्षण संस्थानों, मॉल, ढाबों, पार्किंग स्थलों सहित अन्य उपयुक्त स्थानों का चिन्हीकरण कर संबंधित विभाग को प्रस्ताव शीघ्र प्रेषित करें, ताकि इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए आवश्यक चार्जिंग अवसंरचना के विकास की कार्यवाही समयबद्ध रूप से आगे बढ़ाई जा सके।

मुस्लिम समुदाय की तरक्की सिर्फ तालिम से ही होेगी: मो. शाहिद अख्तर

एजेंसी. कोलकाता

अल्पसंख्यक समुदाय के विकास, आधुनिक शिक्षा और राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कोलकाता के धनधान्य ऑडिटोरियम में दो दिवसीय माइनॉरिटी सिटीजन फोरम द्वारा प्रबुद्ध नागरिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस वैचारिक कार्यक्रम के समापन मौके पर शनिवार को मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के राष्ट्रीय संयोजक मोहम्मद शाहिद अख्तर और राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री जगन्नाथ चटर्जी ने अपने विचार रखे, जिसमें अल्पसंख्यकों को मुख्याधारा के विकास और राष्ट्र निर्माण से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया। मुख्य अतिथि मोहम्मद शाहिद अख्तर ने शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि तालीम से ही तरक्की हो सकती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिक्षा की दिशा ऐसी होनी चाहिए जो समाज को पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम जैसी महान शख्सियत दे, न कि कसाब जैसा आतंकवादी।

राष्ट्रीय पहचान पर कड़ा संदेश देते हुए अख्तर ने कहा कि मुस्लिम समुदाय के लोगों को खुद को केवल धार्मिक नजरिए से देखने के बजाय एक गंविंत भारतीय के रूप में देखना चाहिए। उन्होंने



कहा कि जो लोग अपनी पहचान केवल मुस्लिम तक सीमित रखते हैं, उन्हें अस्सर राष्ट्रगान में समस्या नजर आती है, वंदे मातरम कहने में दिक्कत होती है और उन्हें भारत में बुरायां दिखने लगती हैं। लेकिन, जैसे ही कोई व्यक्ति खुद को पूर्ण रूप से भारतीय मानता है और देश की विविधता को स्वीकार करता है, तो पूरा देश उसे एक बड़े परिवार जैसा लगने लगता है। इसी सकारात्मक सोच के साथ मुस्लिम समाज राष्ट्र निर्माण में अपनी बड़ी भूमिका निभा सकता है। मदरसों में अत्याधुनिक शिक्षा व्यवस्था लागू करने की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने मंच पर मौजूद उच्च शिक्षा मंत्री जगन्नाथ चटर्जी से एक

सीईसी के खिलाफ प्रदर्शन को लेकर चेन्नई में इंडी गठबंधन की बैठक, पहली बार शामिल हुआ टीवीके

एजेंसी. चेन्नई

देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन को लेकर चेन्नई में शनिवार को विपक्षी भारतीय राष्ट्रीय विकासवात्मक समावेशी गठबंधन (इंडी) दलों की सलाहकार बैठक हुई। चेन्नई स्थित सत्य भवन में सुबह करीब 11 बजे शुरू हुई बैठक में तमिलनाडु वेत्रि कदमम (टीवीके) ने पहली बार हिस्सा लिया। बैठक में तमिलनाडु कांग्रेस केमैट्री के अध्यक्ष माणिकराम टेगोर, वीसीके अफ्सल शौल, थिरुमावलवन, एमडीएमके अध्यक्ष वाइको, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव पी. शनमुगम, टीवीके नेता आधव अरुन और मुस्लिम लीग के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में प्रस्तावित विरोध कार्यक्रम और इससे जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। विपक्षी दल विशेष गहन पुरीक्षण (एसआईआर)



प्रक्रिया को लेकर चुनाव आयोग पर सवाल उठाते रहे हैं। उनका आरोप है कि इस प्रक्रिया के दौरान बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पहले नीट प्रश्नपत्र लोक के मुद्दे पर दिल्ली के जंजर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन हुआ था। इसके बाद आम आदमी पार्टी, भारतीय छात्र संघ, भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ और अखिल भारतीय छात्र संघ समेत विभिन्न संगठनों ने गांधी जयंती पर मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली में प्रदर्शन का आह्वांन किया था। प्रदर्शन की कोशिश के दौरान कई लोगों को हिरासत में लिया गया था।

कर्नाटक में भीषण सूखे पर कांग्रेस अध्यक्ष का प्रधानमंत्री को पत्र, तत्काल राहत की मांग

एजेंसी. नई दिल्ली

कर्नाटक में सूखे की स्थिति को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष एवं राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरेगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर तत्काल वित्तीय मदद की मांग की है। खरेगे का दावा है कि कर्नाटक पिछले 150 वर्षों के सबसे सूखे पर सूखे की स्थिति का सामना कर रहा है। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा राष्ट्रीय आपदा मोचन निधि (एनडीआरएफ) से मांगी गई 3,705.30 करोड़ रुपये की राहत राशि बिना किसी कटीती के तत्काल जारी करने का अनुरोध किया है। प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में कांग्रेस अध्यक्ष ने बताया कि कर्नाटक में सितंबर माह तक मानसून में 58 प्रतिशत की भारी



कमी दर्ज की गई है, जिससे राज्य के सभी 31 जिले प्रभावित हुए हैं। 01 जून से 31 अप्रैल के दौरान राज्य में सामान्य 691 मिमी के मुकाबले मात्र 477 मिमी बारिश हुई, जो पिछले 50 वर्षों में दूसरी सबसे कम वर्षा है। राज्य के कुल 240 तालुकों में से 217 में बारिश की भारी कमी है, जिनमें से 177 तालुकों को तीन चरणों में सूखाग्रस्त घोषित किया जा चुका है और अन्य तालुकों का मूल्यांकन जारी है।

खरेगे ने कहा कि सूखे के कारण

राज्य के 19.52 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में कृषि और बागवानी की फसलें पूरी तरह तबाह हो चुकी हैं, जिसमें 17.85 लाख हेक्टेयर कृषि फसलें और 1.67 लाख हेक्टेयर बागवानी फसलें शामिल हैं। फसलों को हुए नुकसान का आकलन 18,748.23 करोड़ रुपये किया गया है, जबकि राज्य को कुल मिलाकर करीब 40,000 करोड़ रुपये का भारी आर्थिक नुकसान होने का अनुमान है।

खरेगे ने अपने पत्र में जलाशयों की स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि 31 अगस्त तक कर्नाटक के 13 प्रमुख जलाशयों में जलभंडारण क्षमता के मुकाबले काफी कम पानी बचा है। कावेरी बेसिन में भारी कमी है और बैंगलुरु की पेयजल आपूर्ति करने वाले कृष्णराज सागर

(केआरएस) बांध में केवल 64 प्रतिशत जल उपलब्ध है। पनबिजली जलाशयों में जलस्तर 61 प्रतिशत तक गिर जाने से 5,500 से 6,000 मिलियन यूनिट जलविद्युत उत्पादन घटने की आशंका है, जिससे भूजल पंपिंग के लिए मशीं बिजली खरीदने का अतिरिक्त वित्तीय बोझ राज्य सरकार पर पड़ेगा।

कांग्रेस अध्यक्ष ने केंद्र सरकार से मांग की कि 3 से 7 अक्टूबर के बीच राज्य का दौरा कर रही तीन अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय टीमें (आईएमसीटी) के अलावा गंधी रूप से प्रभावित कल्याणा-कर्नाटक (हैदराबाद-कर्नाटक) क्षेत्र में जमीनी नुकसान का जायजा लेने के लिए तत्काल एक अतिरिक्त केंद्रीय टीम भेजी जाए।

ओलंपियन नीरज चोपड़ा और गगन नारंग पहुंचे बांधवगढ़ प्राकृतिक सौंदर्य और वन्यजीवों को करीब से देखा

एजेंसी. उमरिया



खेल जगत की दो प्रमुख हस्तियां ओलिंपियन नीरज चोपड़ा और गगन नारंग ने शनिवार को मध्य प्रदेश के उमरिया जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व पहुंचकर सफारी का लुत्फ उठाया। उन्होंने बांधवगढ़ के प्राकृतिक सौंदर्य और वन्यजीवों को करीब से देखा और सराहना की।

ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और ओलंपिक में कांस्य पदक विजेता निशानेबाज गगन नारंग शनिवार सुबह बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व पहुंचे। उन्होंने सुबह ताला गेट से प्रवेश के बाद नीरज और गगन ने जंगल के कई हिस्सों का दौरा किया। दोनों ओलिंपियन ने करीब चार घंटे जंगल सफारी की और वन्यजीवों को करीब से देखा। इस दौरान रेंज ऑफिसर और सहायक संचालक भी उनके साथ थे। प्रबंधन ने उनके लिए खास इंतजाम किए थे। भ्रमण के दौरान नीरज चोपड़ा और गगन नारंग ने वन अधिकारियों तथा मैदानी स्तर पर कार्यरत वनकर्मियों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने बाघ संरक्षण, वन्यजीवों की सुरक्षा

और ईको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली। वन विभाग के चोपड़ा और ओलंपिक में कांस्य पदक विजेता निशानेबाज गगन नारंग सफारी में वन्यजीव संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों और प्रबंधन की कार्यप्रणाली से अवगत कराया। सफारी के बाद नीरज चोपड़ा ने बांधवगढ़ के जंगल को ‘बहुत सुंदर’ बताया। उन्होंने युवाओं को कामयाबी के लिए सपोर्ट सिस्टम रखने का संदेश दिया। वहीं, गगन नारंग ने भी जंगल को सुंदर और शांत बताया। उन्होंने इसे ‘प्राकृतिक थरोहर’ कहा, जिसे बचना जरूरी है। बांधवगढ़ के सहायक संचालक जीतेंद्र अवासे ने बताया कि दोनों ओलंपियन को बांधवगढ़ का जंगल बहुत पसंद आया। स्टाफ ने उनका स्वागत किया और उन्हें सफारी कराकर जानकारी दी।

ब्राह्माकुमारियों और ब्रह्माकुमारों ने किया ब्रह्मा बाबा का वंदन



भोलेश्वर उपमन्त्र्य वृन्दावन। ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की शाखा कैलास नगर में ब्रह्माकुमार कैलास चन्द्र ने अपनी माता गंगाश्री को समर्पित ब्रह्मा भोज का आयोजन किया। इसमें कई दर्जन ब्राह्माकुमारियों एवं ब्रह्माकुमारों ने शिव बाबा का नमन-वंदन किया। योगलगाया। सभी ने माता गंगाश्री को पुष्पांजलि अर्पित की।आयोजक बंकिे कैलाश एवं बंकिे

सुनीता ने सहयोगियों संग आगंतुकों एवं स्थानीय भाई-बहनों को भोजन कराया और सौगात देकर विदाई दी। भोग कार्यक्रम में रीता, रमाकानी, लता कन्नौज, केश कलौ मथुरा, विजय फरह, सोनम, डॉ. विनोद जिंदल मथुरा, शिवकांत अवस्थी, हरी, नीरज, ब्रजमोहन आचार्य, सुनीता बहन आदि ने सेवा की। इस दौरान आयोजन स्थल ॐ शांति के स्वयं से खुब गुंजा।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

अमेठी। अमेठी जिले में जायस कोतवाली क्षेत्र स्थित डेबका गांव के पास शुक्रवार को संदिग्ध परिस्थितियों में ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर उसकी पहचान कराई। मृतक की पहचान जायस थानाक्षेत्र स्थित पूरे तेजी मजरे ओढारी निवासी रेहान (18) के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक, रेहान सुबह घर से बाल कटवाने के लिए बाजार जाने की बात कहकर निकला था। इसके बाद

वह डेबका गांव के पास रेलवे ट्रैक तक कैसे पहुंचा, इसकी उन्हें जानकारी नहीं है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस घटना के कारणों की जांच में जुटी है और परिजनों तथा स्थानीय लोगों से पूछताछ की जा रही है जायस कोतवाली प्रभारी अमरेंद्र सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई थी। शव का पंचायतनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

आज का दिव्य राशिफल

दिनांक : 03 अक्टूबर, 2026, दिन शनिवार



मेघ राशि

आज अघुरे कार्यों को पूरा करने का अवसर मिलेगा। धन से जुड़े मामलों में जल्दबाजी से बचें। परिवार में किसी पुराने विषय पर बातचीत हो सकती है। नौकरी और व्यवसाय में जिम्मेदारी बढ़ सकती है, लेकिन आपको मेहनत दिखाई देगी।

उपाय: पितरों का स्मरण करके तिल मिश्रित जल अर्पित करें। शनिवार को काले तिल का दान करें।

वृषभ राशि

आर्थिक स्थिति में धीरे-धीरे सुधार के संकेत हैं। रुका हुआ भुगतान मिलने की संभावना बन सकती है। दायित्व एवं पारिवारिक जीवन में मधुरता बनाए रखने के लिए क्रोध से बचें। कार्यक्षेत्र में किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लाभ दे सकती है। उधारी: जरूरतमंद व्यक्ति को भोजन कराएं और पितरों के नाम से दक्षिणा दें। पीपल के नीचे सरसों के तेल का दीपक जलाएं।

मिथुन राशि

आज बातचीत और संपर्क आपके लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। व्यापार में नए संपर्क बन सकते हैं। नौकरी करने वालों को काम का अतिरिक्त दबाव मिल सकता है। स्वास्थ्य में थकान महसूस हो तो आराम को प्राथमिकता दें।

उपाय: पितरों का ध्यान करके गाय को हरा घास खिलाएं। शनिदेव के मंत्र का श्रद्धापूर्वक जाप करें।

कर्क राशि

मन में चल रही चिंता कुछ कम हो सकती है। परिवार से सहयोग मिलेगा। संपत्ति या घर से जुड़े किसी मामले में आगे बढ़ने का अवसर मिल सकता है। आर्थिक मामलों में सौच-समझकर निर्णय लें।

उपाय: पितरों के निमित्त जल में काले तिल डालकर अर्पित करें। किसी वृद्ध व्यक्ति का सम्मान करें।

सिंह राशि

आज आत्मविश्वास मजबूत रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको बात को महत्व मिल सकता है। धन कमाने के नए विचार आएंगे, लेकिन निवेश में जल्दबाजी न करें। परिवार के किसी सदस्य की उपलब्धि से प्रसन्नता होगी।

उपाय: पितरों का स्मरण करके जरूरतमंद को भोजन कराएं। शनिवार को काले तिल या उड़द का दान करें।

कन्या राशि

कामकाज में व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ने का दिन है। पुराने संपर्क से संपाद मिल सकता है। खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी रहेगा। स्वास्थ्य के मामले में दिनचर्या और भोजन पर ध्यान दें।

उपाय: पितरों के नाम से जल अर्पित करें और कौओं को भोजन कराएं। पीपल को जल अर्पित करें।

तुला राशि

व्यापार और नौकरी दोनों में संतुलन बनाकर चलने की आवश्यकता है। कोई

महत्वपूर्ण बातचीत आपके पक्ष में जा सकती है। परिवार में सामंजस्य बना रहेगा। अचानक होने वाले खर्च के लिए तैयार रहें। उपाय: पितरों के नाम से अन्न का दान करें। शनिवार को काले तिल का दान करें और जरूरतमंद को सहायता करें।

वृद्धिक राशि

आज आपके अंदर निर्णय लेने की क्षमता मजबूत रहेगी। स्के हुए कामों में गति आ सकती है। व्यापारियों को पुराने ग्राहक से लाभ मिल सकता है। परिवार में किसी सदस्य की चिंता दूर होगी।

उपाय: पितरों का स्मरण कर तपन करें। शनिदेव के समक्ष सरसों के तेल का दीपक जलाएं।

धनु राशि

भाग्य का साथ धीरे-धीरे मजबूत होगा। शिक्षा, नौकरी या व्यवसाय से संबंधित कोई अच्छी सूचना मिल सकती है। यात्रा की योजना बन सकती है। धन संबंधी निर्णय लेते समय भावनाओं के बजाय व्यावहारिकता रखें।

उपाय: पितरों के नाम से किसी ब्राह्मण या जरूरतमंद को भोजन कराएं। पीपल के वृक्ष की श्रद्धापूर्वक सेवा करें।

मकर राशि

आज मेहनत का परिणाम मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपको जिम्मेदारी बढ़ सकती है। आर्थिक मामलों में स्थिरता बाने का प्रयास सफल रहेगा। परिवार में किसी पुराने मतभेद को बातचीत से सुलझाया जा सकता है।

उपाय: पितरों के निमित्त काले तिल का दान करें। किसी श्रमिक या जरूरतमंद व्यक्ति को भोजन कराएं।

कुंभ राशि

आज नए अवसरों पर विचार करने का दिन है। व्यापार में नई योजना बन सकती है। नौकरी में अधिकारी आपको काम पर ध्यान देंगे। मानसिक तनाव को कम करने के लिए अनावश्यक बहस से दूर रहें।

उपाय: पितरों का स्मरण करके जल अर्पित करें। शनिवार को काली उड़द या काले तिल का दान करें।

मीन राशि

दिन की शुरुआत थोड़ी व्यस्त रह सकती है, लेकिन बाद में परिस्थितियां अनुकूल होंगी। धन की स्थिति सामान्य से बेहतर हो सकती है। परिवार के साथ समय बिताने में मन प्रसन्न रहेगा। पुराने कार्य को पूरा करने पर तैयारी मिलेगी।

उपाय: पितरों के नाम से भोजन का दान करें और कौओं को भोजन दें। पीपल के नीचे दीपक जलाकर प्रार्थना करें।

पितृपूज में अजात का विशेष संदेश पितृपक्ष में श्रद्धा और सामर्थ्य के अनुसार तपन, अन्नदान, गौसेवा, जरूरतमंद को भोजन तथा वुजुर्गों से सम्मान करना शुभ माना जाता है। दिखावे से अधिक महत्त्वपूर्ण श्रद्धा और सद्भाव है।

ज्योतिर्विद आचार्य विवेक शास्त्री जी 7266956816 /7600846964

रामपुर तिराहा के अमर बलिदानियों को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दी श्रद्धांजलि



देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को शहीद स्थल रामपुर तिराहा, मुजफ्फरनगर में उत्तराखण्ड राज्य आंदोलनकारी शहीदों की पुण्य स्मृति में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में प्रतिभा कर शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की और अमर बलिदानियों को श्रद्धांजलि दी।मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर घोषणा की है कि उत्तराखण्ड राज्य आंदोलन में शहीद हुए जिन आंदोलनकारियों की प्रतिमाएं अब तक स्थापित नहीं हुई हैं, उनकी प्रतिमाएं उनके पैतृक गांव अथवा निवास क्षेत्र में उपयुक्त स्थान पर स्थापित की जाएंगी। उन्होंने रामपुर तिराहा स्थित राज्य अतिथि गृह के उच्चोत्तरण, स्मारक परिसर में स्थित पुस्तकालय को ई-लाइब्रेरी के रूप में विकसित करने तथा संग्रहालय के विस्तार की भी घोषणा की। संग्रहालय में उत्तराखण्ड के पारंपरिक वाद्य यंत्रों, वेशभूषा एवं लोक संस्कृति से संबंधित सामग्री को भी शामिल किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य आंदोलनकारियों के पुनः चिन्हीकरण की प्रक्रिया भी शीघ्र पूरी की जाएगी।मुख्यमंत्री

ने कहा कि राज्य सरकार ने देश की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले उत्तराखण्ड के वीर सैनिकों की स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिए उनकी प्रतिमाएं उनके पैतृक गांवों में स्थापित करने का निर्णय पहले ही लिया है।

इसी भावना के अनुरूप राज्य आंदोलन के अमर बलिदानियों की स्मृतियों को भी भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित किया जाएगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि 01 एवं 02 अक्टूबर 1994 की रात रामपुर तिराहा में शांतिपूर्ण तरीके से दिल्ली

जा रहे राज्य आंदोलनकारियों के साथ हुई घटना उत्तराखण्ड राज्य आंदोलन के इतिहास का अत्यंत पीड़ादायक अध्याय है। पृथक उत्तराखण्ड राज्य के लिए आंदोलनकारियों ने लंबा संघर्ष किया। खटौमा, मसूरी, रामपुर तिराहा और श्रीनगर के श्री यंत्र टापू सहित विभिन्न स्थानों पर आंदोलनकारियों ने अपना बलिदान दिया। उनके संघर्ष और बलिदान के परिणामस्वरूप ही उत्तराखण्ड पृथक राज्य के रूप में अस्तित्व में आया।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार

खादी के वस्त्रों पर 30 जनवरी 2027 तक 25 फीसदी छूट: मुख्यमंत्री

●मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की 122वीं जयंती पर अर्पित किए श्रद्धासुमन

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर प्रदेशवासियों को उपहार दिया। उन्होंने कहा कि खादी भारत की स्वाधीनता का मंत्र है, प्रदेश सरकार ने खादी के वस्त्रों पर 30 जनवरी 2027 तक 25 फीसदी की छूट उपलब्ध कराई है।

उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि हर व्यक्ति खादी को जीवन का हिस्सा बनाकर कारीगरों, हस्तशिल्पियों व बुनकरों के हुनर को सम्मान दे। सीएम योगी ने एनेक्सी स्थित पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर पुष्पांजलि दी। उन्होंने इस अवसर पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को भी याद किया।

भारत की आजादी का मंत्र बना था स्वदेशी से स्वावलंबन

सीएम योगी ने कहा कि भारत की स्वाधीनता के महानायक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की आज 157वीं तथा सादगी, सज्जनता के लिए प्रसिद्ध भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की 122वीं जयंती है। बापू का स्वदेशी से स्वावलंबन भारत की आजादी का मंत्र बना था।

स्वाधीनता के महानायकों के प्रति कृतज्ञता

मुख्यमंत्री ने कहा कि गांधी जी का आत्मनिर्भरता व स्वावलंबन का मंत्र ही विकसित भारत की आधारशिला बनेगा, इसीलिए पीएम मोदी जी लोकल टू ग्लोबल की चर्चा करते हैं।

हर भारतीय श्रद्धा से लेता है शास्त्री जी का नाम

सीएम योगी ने कहा कि लाल



मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर किया पुष्पार्चन

नीरज पाण्डेय

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती पर उनके प्रति श्रद्धा निवेदित की। मुख्यमंत्री ने जीपीओ स्थित राष्ट्रपिता की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए।

इस अवसर पर स्कूली बच्चों ने रघुपति राघव राजा राम, वह शक्ति हमें दो दयानिधे, वैष्णव जन तो तेने कहिए आदि भजनों/गीतों पर संगीतमयी प्रस्तुति दी। मुख्यमंत्री ने भजनों का श्रवण किया।

मुख्यमंत्री ने दी अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस की शुभकामना

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर प्रदेशवासियों को अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा कि सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलकर संपूर्ण विश्व को स्वदेशी व अहिंसा के माध्यम से स्वाधीनता का संदेश देने वाले, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की पावन जयंती पर कोटिशः नमन। प्रदेशवासियों को अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस की शुभकामनाएं।सीएम ने लिखा कि बापू के आदर्श, सादगी और विचार आज भी हम सभी को आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत के निर्माण में निरंतर मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं।पुष्पांजलि कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाटक, कैबिनेट मंत्री राकेश सवान, राज्यसभा सांसद ब्रजलाल, महापौर सुषमा खर्कवाल, विधान परिषद सदस्य डॉ. महेंद्र सिंह, मुकेश शर्मा, लालजी प्रसाद निर्मल, रामचंद्र प्रधान, पवन सिंह चौहान, डॉ. नीरज बोरा, राजेश्वर सिंह, जय देवी, अमरेश कुमार, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अर्पणा यादव, भाजपा के महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

बहादुर शास्त्री जी का नाम आते ही हर भारतीय के मन में श्रद्धा का भाव उमड़ पड़ता है। वह अपनी सादगी, सज्जनता के लिए सदैव प्रसिद्ध रहेंगे।

जय जवान-जय किसान का नारा बना स्वाधीन भारत का मंत्र

मुख्यमंत्री ने कहा कि शास्त्री जी का ध्येय था कि भारत खड़ाखान आत्मनिर्भरता

विधायक सिद्धार्थनाथ सिंह, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अर्पणा यादव, भाजपा के महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

यमुना को चुनरियां ओढ़ा सम्पन्न किया भागवत ज्ञान यज्ञ



भोलेश्वर उपमन्त्र्य

वृन्दावन। श्रीहित उत्सव चैरिटेबल ट्रस्ट वृन्दावन के तत्वावधान में श्री प्रिया वल्लभ कुंज में 26 सितंबर से 2 अक्टूबर तक पितृपक्ष के अवसर पर श्रीमद भागवत महापुराण का मूल पाठ किया गया। आचार्य विष्णु मोहन नागाचं ने इसका समापन शुक्रवार को ब्रजवासी-ब्रह्मचारी वैष्णव भोजन के साथ किया। 25 सितंबर से 1 अक्टूबर तक जयपुर मंदिर में आयोजित भागवत ज्ञान यज्ञ का समापन भी शुक्रवार को यमुना जी चुनरियां ओढ़ा-त्कर कर दिया गया।

जयपुर निवासी चंद्रप्रकाश तेनेजा एवं स्वदेश तेनेजा की 50वीं शादी की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में भागवत ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया। इसमें व्यास पीठ पर विराजमान होकर श्रीहित ललित वल्लभ नागाचं ने कथा प्रवचन करते हुए ज्ञान, वैराग्य, भक्ति के तरीके बरसात की। ज्ञान यज्ञ में महामण्डलेश्वर लाडली शरण महाराज, फ्लाइट बाबा, राधा वल्लभ जी के अंगसेवी मोहित मराल गोस्वामी, डॉ.

मनोज मोहन शास्त्री, जुगल किशोर शर्मा, भरत किशोर शर्मा, वैभव अग्रवाल पार्षद, कपिल तेनेजा, रजनी, अंकुर, गरिमा, पायल ग्रोवर, एंकेश ग्रोवर, आदित्य, अबीर, अयान, अनन्व, ओंकेश, विराज, सूरज प्रकाश, लालन शर्मा, कृष्ण चंद्र ठाकुर, चेतन शर्मा, लोकेश शर्मा, श्रीकृष्ण शुक्ला आदि भी आए। व्यवस्थाएं रसिक वल्लभ नागाचं ने सभालीं। 2 अक्टूबर को देवराह बाबा घाट पर यमुना जी को चुनरियां ओढ़ाई। विधिवत पूजन और नमन-वंदन किया। उत्सव अंतर्गत कुमार विरवास ने एक स्थानीय होटल में काव्य सरिता प्रवाहित की। नागाचं ने बताया कि 4 अक्टूबर को चंद्रदेव मन्दिर में संत गौरांग दास का प्रवचन होगा। इसी दिन अनूप जलोटा जयपुर मन्दिर में भजन गायन करेंगे। आयोजन श्रीहित परमानन्द शोध संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष श्रीहित विष्णु वल्लभ नागाचं के सानिध्य में हुए। विष्णु मोहन नागाचं ने कहा कि वृन्दावन में दिक्कतें आने को भी आनन्द समझे तभी तीर्थयात्रा सफल हो सकती है।

सार समाचार

सपा करेगी देश बचाओ-वोट बचाओ आंदोलन



झांसी। समाजवादी पार्टी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर शुक्रवार को देश बचाओ-वोट बचाओ आंदोलन शुरू करने का ऐलान किया। झांसी में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सपा जिलाध्यक्ष बुजेंद्र यादव और महानगर अध्यक्ष तनवीर आलम ने मुख्य निवेदन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर गंभीर आरोप लगाते हुए उनके इस्तीफे, गिरफ्तारी और मुकदमा दर्ज किए जाने की मांग की। बुजेंद्र यादव और तनवीर आलम ने कहा कि समाजवादी पार्टी का यह आंदोलन देशभर में चलाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त की भूमिका के कारण देश में बड़े स्तर पर वोट की चोरी और वोट की लूट हुई है। पार्टी इन मुद्दों को लेकर जनता के बीच जागृगी और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए आवाज उठाएगी। उन्होंने बताया कि आंदोलन के तहत एक सप्ताह तक विभिन्न स्तरों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। ब्लॉक स्तर पर प्रदर्शन कर कार्यकर्ता अपनी मांगों को उठाएंगे। इसके बाद विधानसभा स्तर पर भी प्रदर्शन किए जाएंगे। जिला मुख्यालय पर झापन सौंपकर चुनावी प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों पर कार्रवाई की मांग की जाएगी। उन्होंने कहा कि आंदोलन के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला भी फूटका जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी की मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। सपा कार्यकर्ता गिरफ्तारी और मुकदमा दर्ज किए जाने की मांग को लेकर लगातार प्रदर्शन करेंगे। बुजेंद्र यादव व तनवीर आलम ने कहा कि ह्मदेश बचाओ-वोट बचाओ आंदोलन के माध्यम से पार्टी कार्यकर्ताओं को लामबंद किया जा रहा है। आंदोलन को वरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा और निर्धारित कार्यक्रमों में पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल होंगे।

गांधी-शास्त्री जयंती पर नगर निगम में गूंजा स्वच्छता का संकल्प, पांच सफाई मित्र सम्मानित



वाराणसी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर शुक्रवार को नगर निगम मुख्यालय में श्रद्धा और उल्लास के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। महापौर अशोक कुमार तिवारी ने राष्ट्रस्वज फहराकर तिरों को सलामी दी। इसके बाद महापौर और नगर आयुक्त ने महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया। कार्यक्रम में महापौर ने पार्षदों, अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छता एवं सेवा की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि महापुरुषों की जयंती मारने का उद्देश्य केवल उन्हें याद करना नहीं, बल्कि उनके आदर्श और विचारों को अपने जीवन में उतारना भी है। निष्ठा, ईमानदारी और अपने कर्तव्यों का पूरी जिम्मेदारी से पालन कर ही एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाई जा सकती है। महापौर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छता संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि काशी की धरती से पूरे देश को स्वच्छता का संदेश दिया गया था। ऐसे में काशीवासियों का दायित्व है कि शहर को स्वच्छ, सुंदर और प्वास्टिक मुक्त बनाने में अपनी भूमिका निभाएं। उन्होंने स्वच्छता को केवल नगर निगम की जिम्मेदारी न मानकर जनगणित्वी दारी से अभियान को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। नगर की सफाई व्यवस्था में उत्कृष्ट योगदान देने वाले पांच सफाई मित्रों को कार्यक्रम में प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सम्मानित सफाई मित्र रामजी, सचिन, चंदन, दीपू और अजय को दो दिनों के भीतर 5100-5100 रुपये का चेक भी उपलब्ध कराया जाए। महापौर ने कहा कि सफाई मित्र शहर को स्वच्छ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनके परिश्रम और योगदान को प्रोत्साहित करने के लिए सम्मान जरूरी है। कार्यक्रम में भाजपा नेता अरविंद्र सिंह, कर्मचारी संघ के अध्यक्ष मनोज कुमार, पाण्डेय श्याम आसरे मौर्य समेत कई पार्षद और नगर निगम अधिकारी मौजूद रहे। संवाहन भैयालाने किया।। अपर नगर आयुक्त दुर्गेश मिश्र ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

सेवा संकल्प अभियान को जन-जन तक पहुंचाना हर कार्यकर्ता की जिम्मेदारी : केशव प्रसाद मौर्य



कानपुर। सेवा, समर्पण और समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने का संकल्प लेकर सेवा संकल्प अभियान को जन-जन तक पहुंचाना हर कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है।। यह बात उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को टीएसरो प्राणग में आयोजित नमो सेवा अनकही कहानियां नाट्य मंचन के दौरान कही। कानपुर में भाजपा कानपुर उत्तर जिले की और से आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन से जुड़े संघर्ष, संकल्प, सेवा और राष्ट्र निर्माण के विभिन्न प्रसंगों को कलाकारों ने मंच पर प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की शुरुआत वंदे मातरम् के गान से हुई। 13 कलाकारों की टीम ने प्रधानमंत्री के जीवन से जुड़े प्रसंगों को अभिनय के जरिए जीवंत किया। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से सेवा संकल्प माह अभियान चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य सेवा और समर्पण की भावना के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को विश्व के 36 देशों ने सर्वोच्च सम्मान से विभूषित किया है। उन्होंने गांधी जयंती से शुरु हुए स्वच्छता अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि यह अभियान अब जन आंदोलन का रूप ले चुका है। प्रयागराज में प्रधानमंत्री द्वारा स्वच्छता कर्मियों के पैर धोने की घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इससे स्वच्छता कर्मियों के सम्मान और स्वाभिमान को विव पटल पर बढ़ाने तक कई कार्य किए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय मंचों से भी शांति का संदेश दिया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि सेवा संकल्प अभियान को घर-घर तक पहुंचाने के साथ वंचित लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए प्रयास करें। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद देश और प्रदेश विकास की दिशा में आगे बढ़े हैं और कानपुर में भी विकास कार्यों को गति मिली है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि 2047 तक विकसित और सशक्त भारत का निर्माण लक्ष्य है। भाजपा का उद्देश्य हाफे भारत, श्रेष्ठ भारत का निर्माण करना है। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, विश्वास करो तुम मोदी पर, ये नवयुग का निमाता है। ऐसा नेता इस धरती पर एक बार ही आता है। नाट्य मंचन में गुजरात में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शुरुआती दौर को दिखाने के लिए टी-स्टील का दृश्य प्रस्तुत किया गया।। इसके बाद मुख्यमंत्री के बाद गुजरात के पुनर्निर्माण और विकास से जुड़े प्रसंगों को अभिनय के माध्यम से दिखाया गया। कोविड -19 महामारी के दौरान देश के सामने आई चुनौतियों और उनसे निपटने के प्रयासों की भी मंच पर प्रस्तुत किया गया। वंदे मातरम् की प्रस्तुति और अंधेरा घना है, लेकिन दीपक जलाना कहा मना है जैसे संवादों पर दर्शकों ने तालियां बजाईं।



अभिषेक शर्मा के टी20 में 400 छक्के पूरे

क्रिस गेल को इन 2 मामलों में पछाड़ा

निशिन । एशियन गेम्स 2026 में एक और स्वर्ण आ गया है। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 19 रन से हराकर स्वर्ण जीत लिया है। भारत के स्टार ओपनर अभिषेक शर्मा ने शनिवार को करोगी स्पोर्ट्स पार्क में एशियन गेम्स के गोल्ड मेडल मैच में पाकिस्तान के खिलाफ 28 गेंदों पर 61 रन की पारी खेली और टीम का स्कोर 6 विकेट पर 211 तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। अभिषेक ने अपनी इस विस्फोटक पारी के दौरान कई उपलब्धियां हासिल कीं। अभिषेक ने अपनी 61 रन की पारी के दौरान 7 छक्के लगाए। पारी का दूसरा छक्का लगाते ही अभिषेक के टी20 क्रिकेट में 400 छक्के पूरे हो गए। शर्मा के अब कुल 405 छक्के हो गए हैं। अभिषेक ने टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 400 छक्के लगाने के मामले में क्रिस गेल को पीछे छोड़ते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। गेल ने 400 छक्के लगाने के लिए 3,557 गेंदें खेली थीं। अभिषेक ने 3,513 गेंदों में अपने 400 छक्के पूरे किए। टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 400 छक्के लगाने का रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के आंद्रे रसेल के नाम है। रसेल ने 3,027 गेंदों पर 400 छक्के लगाए हैं। अभिषेक ने अपनी 61 रन की पारी के दौरान एक और बड़ा रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने 2026 में 100 टी20 छक्के भी पूरे किए। एक कैलेंडर साल में सबसे तेज 100 छक्के लगाने के मामले में वे दूसरे स्थान पर आ गए। अभिषेक ने 651 गेंदों पर 100 छक्के लगाए। इस मामले में अभिषेक ने दक्षिण अफ्रीका के डेवॉल्ड ब्रेविस और क्रिस गेल को पीछे छोड़ा। एक साल में सबसे तेज 100 छक्के लगाने के मामले में भी आंद्रे रसेल पहले नंबर पर हैं। अभिषेक शर्मा मौजूदा दौर में पूरी दुनिया में टी20 फॉर्मेट के एक श्रेष्ठ ओपनर के रूप में खुद को स्थापित कर चुके हैं। 6 जुलाई 2024 को अपने करियर की शुरुआत करने वाले अभिषेक ने 62 मैचों की 61 पारियों में 3 शतक और 13 अर्धशतक लगाते हुए 1,926 रन बनाए हैं।

नीरू टांडा होंगी क्लोजिंग सेरेमनी में ध्वजवाहक

2 गोल्ड समेत जीते कुल तीन मेडल

नागोया। भारतीय शूटर नीरू टांडा रविवार को नागोया (जापान) में आयोजित एशियन गेम्स 2026 की क्लोजिंग सेरेमनी में राष्ट्रीय ध्वज लेकर चलेंगी। यह उनके लिए एक यादगार सफर रहा, जिसमें वह देश की बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक बनकर उभरीं। 27 वर्षीय ट्रैप शूटर ने इन गेम्स में तीन मेडल (दो गोल्ड और एक सिल्वर)



जीते। शूटिंग में भारत के शानदार प्रदर्शन में उन्होंने अहम भूमिका निभाई। नीरू के मेडल जीतने का सिलसिला महिलाओं के ट्रैप टीम इवेंट में सिल्वर मेडल के साथ शुरू हुआ, जिसमें उन्होंने आशीमा अहलावत और मनीषा कोर

के साथ टीम बनाई थी। तीन दिन के क्वालिफिकेशन के बाद भारतीय तिकड़ी का कुल स्कोर 328 रहा। वे गोल्ड मेडल जीतने वाले चीन से पीछे रहीं, जबकि कुवैत ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। इसके बाद नीरू ने व्यक्तिगत ट्रैप इवेंट में ऐतिहासिक प्रदर्शन किया और इस खेल में एशियन गेम्स का गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं।

118 के स्कोर के साथ क्वालिफिकेशन में टॉप करने के बाद उन्होंने फाइनल में 28 का स्कोर बनाकर एशियन रिकॉर्ड बनाया और गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

इस प्रदर्शन के बाद उन्होंने कायन चेनाई के साथ मिलकर ट्रैप-मिक्स्ट टीम इवेंट में भी गोल्ड मेडल जीता। मुश्किल शुरुआत के बाद भारतीय जोड़ी ने शानदार वापसी की और आखिर में 34 हिट के साथ जीत हासिल की। उन्होंने 2026 में ही कतर द्वारा बनाए गए 33 हिट के पिछले एशियन रिकॉर्ड को तोड़ा। मिक्स्ट टीम की जीत ने नीरू के लिए दो दिनों के यादगार सफर को पूरा किया। व्यक्तिगत गोल्ड मेडल जीतने के 24 घंटे से भी कम समय में वह फिर से शूटिंग रेंज में लौटीं और एक बार फिर टॉप पर रहीं। तीन मेडल जीतने के कारण वह आइची-नागोया गेम्स में भारत की प्रमुख खिलाड़ियों में से एक बन गईं और उन्हें क्लोजिंग

सेरेमनी में भारतीय दल का नेतृत्व करने का सम्मान मिलेगा। आइची-नागोया एशियन गेम्स 2026 का क्लोजिंग सेरेमनी रविवार, 4 अक्टूबर को नागोया सिटी मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में होगा।

संक्षिप्त समाचार

किशन के नाम जुड़ी एक और बड़ी उपलब्धि

यह मुकाम हासिल करने वाले बने महज दूसरे भारतीय बल्लेबाज

निशिन । एशियन गेम्स 2026 का फाइनल मुकाबला भारत और पाकिस्तान के बीच कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेला जा रहा है। गोल्ड मेडल के लिए खेले जा रहे मुकाबले में ईशान किशन ने 18 गेंदों में 20 रन बनाए। भले ही ईशान इस मैच में बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे, लेकिन उन्होंने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली है। ईशान किशन ने साल 2026 में टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में एक हजार रन पूरे कर लिए हैं। वह एक कैलेंडर ईयर में एक हजार रन पूरे करने वाले महज



दूसरे भारतीय बल्लेबाज हैं। ईशान इस साल अब तक 169 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 1,005 रन बना चुके हैं। ईशान से पहले यह कारनामा सुर्यकुमार यादव ने किया है, जिन्होंने साल 2022 में 187 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 1,164 रन बनाए थे। एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी करणबीर सिंह के नाम है, जिन्होंने साल 2025 में 174 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 1,472 रन बनाए थे। वहीं, मोहम्मद रिजवान ने 2021 में 1,326 रन बनाए थे। भारतीय टीम ने फाइनल मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 211 रन बनाए। टीम की ओर से अभिषेक शर्मा एक बार फिर बेहतरीन रण्य में दिखाई दिए और उन्होंने 28 गेंदों में 3 चौके और 7 छक्कों की मदद से 61 रनों की तूफानी पारी खेली।

भारत बनाम वेस्टइंडीज

रोहित शर्मा का एक और बड़ा कारनामा

सचिन के बाद यह मुकाम हासिल करने वाले बने दूसरे भारतीय

न्यू चंडीगढ़ । भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीसरा और आखिरी वनडे मुकाबला न्यू चंडीगढ़ के पीसीए क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। टॉस जीतकर भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया है। रोहित शर्मा ने इस मुकाबले में 2 रन बनाने के साथ ही खास मुकाम हासिल



कर लिया है। रोहित शर्मा ने वनडे क्रिकेट में बतौर सलामी बल्लेबाज 10 हजार रन पूरे कर लिए हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे में 2 रन बनाने के साथ ही रोहित ने इस उपलब्धि को अपने नाम किया। रोहित भारत की ओर से यह मुकाम हासिल करने वाले महज दूसरे बल्लेबाज हैं। उनसे पहले यह कारनामा सिर्फ सचिन तेंदुलकर ही कर सकें हैं। रोहित ओवरऑल इस उपलब्धि तक पहुंचने वाले विश्व के चौथे बल्लेबाज हैं। रोहित बतौर ओपनर सबसे तेज 10 हजार रन पूरे करने वाले बल्लेबाज भी बने हैं। उन्होंने यह मुकाम अपनी 202वीं पारी में हासिल किया। इस मैच से पहले रोहित ने 201 पारियों में ओपनिंग बल्लेबाज के तौर पर 9,998 रन बनाए थे। रोहित का प्रदर्शन दूसरे वनडे मुकाबले में शानदार रहा था।

भारतीय ताइक्वांडो टीम का पदक जीतने का सपना रहा अधूरा



तोयोहाशी । भारत का एक और एशियन गेम्स ताइक्वांडो अभियान बिना किसी पदक के समाप्त हो गया। देश की तीन सदस्यीय महिला टीम आइची-नागोया 2026 से खाली हाथ लौटी। यह प्रतियोगिता शनिवार को जापान के तोयोहाशी जिनमैजियम में खत्म हो जाएगी। कशिश मलिक, ज्योति यादव और रूपा बेयोर चार मेडल इवेंट्स में भारत की तरफ से उतरी थीं,

लेकिन किसी भी इवेंट में इनमें से कोई भी एथलीट पॉइंटिंग फिनिश नहीं कर सकी। भारत का आखिरी एशियन गेम्स ताइक्वांडो मेडल 2002 में बुसान में सुरेंद्र भंडारी ने जीता था। सुरेंद्र ने ब्रॉन्ज मेडल जीता था। कशिश ने गेम्स में भारत को सबसे ज्यादा जीत दिलाई और मिक्स्ट ईंडिविजुअल वर्चुअल ताइक्वांडो इवेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंची, जो आइची-नागोया में एशियन

गेम्स में डेब्यू कर रहा था। उन्होंने हांगकांग, चीन की सियू वाई लैम पर 2-0 की जीत के साथ शुरुआत की और दोनों राउंड 800-500 और 400-0 से जीते। उनका कैपेन क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान की रीता बाकिशेवा के खिलाफ खत्म हुआ, जिन्होंने आखिर में ब्रॉन्ज मेडल जीता।

कशिश के पहले राउंड में 320-0 की बढ़त लेने के बाद उन्होंने पहला राउंड 320-0 से जीता, लेकिन कजाख खिलाड़ी ने अगले दो राउंड 460-0 और 340-0 से जीतकर 2-1 से जीत पक्की कर ली।

भारतीय खिलाड़ी ने पहले महिलाओं के -57 किग्रा कॉम्पिटेशन में भी हिस्सा लिया था, जहां उनका सामना झू में सबसे मजबूत नामों में से एक से हुआ था। पेरिस 2024 की ओलंपिक चैंपियन, कोरिया गणराज्य की किम यू-जिन ने कशिश को 2-0 (18-3, 17-2) से हराया।

ज्योति का कैपेन महिलाओं की प्रतियोगिता में राउंड ऑफ 16 चरण पर खत्म हुआ।

एशियन गेम्स में भारत की बेटियों ने जीता गोल्ड

पीएम बोले-भारतीय हॉकी के लिए बहुत खास पल

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम ने यादगार प्रदर्शन करते हुए एशियन गेम्स 2026 में ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीता। भारतीय टीम ने फाइनल मुकाबले में चीन को 1-0 से हराया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस खास

उपलब्धि के लिए भारत की बेटियों की जमकर सराहना की है। पीएम मोदी ने पीएमओ के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'भारतीय हॉकी के लिए एक बहुत ही खास पल। भारत के लोग महिला हॉकी टीम की सफलता का जश्न मना रहे हैं, जिन्होंने एशियन गेम्स में शानदार गोल्ड मेडल जीता है और वो भी चार दशकों से ज्यादा समय के बाद। यह बेहतरीन कौशल और टीमवर्क का नतीजा है। उनका जज्बा भी बहुत प्रेरणादायक है। टीम को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए

मेरी शुभकामनाएं। उम्मीद है कि यह सफलता देशभर में हॉकी की लोकप्रियता बढ़ाने में योगदान देगी।' केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री और अल्पसंख्यक कार्य मंत्री

किरेन रिजिजू ने भी भारतीय महिला टीम को बधाई देते हुए 'एक्स' पर लिखा, 'भारत के लिए गोल्ड की कामयाबी। 44 साल बाद भारतीय महिला हॉकी को गोल्ड मेडल जीतने पर बधाई। हुनर, पक्के इरादे और टीमवर्क का शानदार प्रदर्शन। बहुत बढ़िया, चैंपियंस।'

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भारतीय महिला टीम के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने अपने 'एक्स' पर लिखा, 'भारतीय खेलों के लिए एक ऐतिहासिक दिन।



2027 वनडे विश्व कप

क्रिकेटरों की नई पीढ़ी को प्रेरित करेगा: डिविलियर्स

नई दिल्ली । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स को उम्मीद है कि 2027 पुरुष वनडे विश्व कप देश के क्रिकेटरों की नई पीढ़ी को प्रेरित करेगा। उन्होंने बताया कि कैसे 2003 में देश में हुए एडिशन ने 19 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने की चाहत रखने वाले उनके शुरुआती सफर को आकार दिया। दक्षिण अफ्रीका 2 अक्टूबर से 21 नवंबर, 2027 तक जिम्बाब्वे और नामीबिया के साथ 50 ओवर के इस मेगा इवेंट को को-होस्ट करेगा।

डिविलियर्स ने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लेजेंड्स के ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर फैनकोड की एक खास चैट में आईएनएस से कहा, '2027 में वनडे वर्ल्ड कप 2003 के बाद पहली बार साउथ अफ्रीका वापस आ रहा है। 2003 वर्ल्ड कप ने मेरे करियर में बहुत बड़ा रोल निभाया। इसका मुझ पर



बहुत बड़ा असर पड़ा। मुझे साफ तौर पर याद है कि एक ऑस्ट्रेलियाई ने यूनिवर्सिटी ऑफ प्रिटोरिया में एक क्रिकेटिंग क्लिनिक किया था। वहीं मैंने उस समय, 19 साल की उम्र में क्रिकेट खेला था। मैं एडम गिलक्रिस्ट को थोड़ा और बेहतर जान पाया। उन्होंने उस दिन मेरी विकेटकीपिंग स्किल्स पर काम किया।' उन्होंने कहा,

‘उन्हें उस समय कोई आइडिया नहीं था कि मैं कौन हूं। मुझे उनके साथ एक बहुत अच्छा पल साफ तौर पर याद है। उन्होंने मुझे अपने बाएं हाथ पर काम करने के लिए कहा और कहा, 'ऑल द बेस्ट, यूंगस्टर।' तीन साल बाद, मैंने उनके खिलाफ टेस्ट मैच और वनडे क्रिकेट खेला। इसका मुझ पर बहुत बड़ा असर पड़ा और मुझे पूरा यकीन है कि 2027 वर्ल्ड कप का भी साउथ अफ्रीका के युवाओं पर वैसा ही असर पड़ेगा, जो एक दिन अपने देश का प्रतिनिधित्व करने की उम्मीद कर रहे हैं।' डिविलियर्स ने कहा, 'पैसे के हिसाब से, साउथ अफ्रीका में वर्ल्ड कप होना बहुत अच्छा है, जिसे नामीबिया और जिम्बाब्वे भी मिलकर होस्ट कर रहे हैं और मैं बाकी दुनिया के लोगों के आने और साउथ अफ्रीका के शानदार हिस्सों का मजा लेने और हम कितने अच्छे होस्ट हैं, यह देखने का इंजोअर कर रहा हूं। मैं दक्षिण अफ्रीका का भी घरेलू मैदान पर समर्थन करना चाहूंगा।

देश के लिए टेस्ट खेलने का सपना रहा अधूरा



नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। चहल अब कभी भी क्लाइड जर्सी में रेड बॉल क्रिकेट खेलते हुए दिखाई नहीं देंगे। चहल ने इंस्टाग्राम के माध्यम से अपने फैसले की जानकारी दी। चहल ने लिखा, 'मैंने जो पहली क्रिकेट बॉल पकड़ी थी, वह रेड बॉल थी। मैं 10 साल का था, और मुझे तब कोई अंदाजा नहीं था कि मुझे इस खेल से इतना प्यार हो जाएगा। मेरे लिए, रेड-बॉल क्रिकेट कभी भी सिर्फ एक और फॉर्मेट नहीं था। यहीं पर मैंने सब, फेरवटर, मजबूती और घंटों तक मैदान पर रहने, हर रन और हर विकेट के लिए लड़ने की असली खुशी का मतलब सीखा।' उन्होंने लिखा, 'मैंने अपना आखिरी फर्स्ट-क्लास मैच लॉर्ड्स में खेला। यह कहना भावुक करने वाला है क्योंकि टेस्ट केप हमेशा एक सपना था, जिसे मैंने कई सालों तक अपने साथ रखा।

उर्वशी रौतेला ने एआई कंपनी से मांगा सात हजार करोड़ का हर्जाना, मिला जवाब

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने अमेरिका की एक एआई कंपनी कार्रवाई की बात कही है। एक्ट्रेस का आरोप है कि कंपनी ने बिना उनकी अनुमति के उनकी तस्वीरें और वीडियो का इस्तेमाल किया है। इस मामले पर कंपनी की तरफ से भी जवाब दिया गया।

क्या कहा उर्वशी की टीम ने

उर्वशी रौतेला ने लॉस एंजेलिस बेस्ड एआई कंपनी के खिलाफ एक्शन लेने की बात कही है। एक्ट्रेस ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दावा किया है कि बिना उनकी अनुमति लिए कंपनी ने उनकी फोटोज और वीडियो का उपयोग किया है। उर्वशी की टीम ने एक पोस्ट शेयर कर लिखा, 'हम लॉस एंजिल्स स्थित इस कंपनी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर रहे हैं। इससे हुए नुकसान की कीमत फिलहाल 7,000 करोड़ रुपये आंकी जा रही है। उन्होंने उर्वशी की फोटोज और वीडियो का उपयोग करके कई अरबों डॉलर का कारोबार खड़ा किया है। आप अपना

ब्रांड बनाएं, कंपनी बनाएं मगर उर्वशी का नाम उससे दूर रखें तब तक आपने उनसे अनुमति न ली हो।'

एआई कंपनी के सीईओ ने क्या दिया जवाब

मामले पर बॉलीवुड एआई और हॉलीवुड एआई कंपनी के संस्थापक और सीईओ शीराज हसन ने भी जवाब दिया। शीराज ने भी एक पोस्ट जारी कर सफाई देते हुए लिखा, 'उर्वशी, हमने तुम्हारे मुंह में ये शब्द नहीं डाले। मैं तुम्हें सलाह देता हूँ कि जवाब देने से पहले एआई और बॉलीवुड के मनोरंजन जगत के भविष्य के बारे में अच्छी तरह से जानकारी हासिल कर लो।' शीराज ने आगे लिखा, 'बॉलीवुड एआई और हॉलीवुड एआई मनोरंजन का भविष्य हैं। एआई फिल्में, वर्टिकल ड्रामा और ऐसे डिजिटल सितारे, जो कभी बूढ़े नहीं होते, कई भाषाएं बोलते हैं, 24 घंटे काम करते हैं और जिनका कोई अहंकार नहीं होता। आप अपने जवाब से लड़ सकती हैं, लेकिन आने वाले बदलाव से नहीं लड़ सकतीं। इसे अपनाइए। बॉलीवुड में मनोरंजन उद्योग का विकास हो रहा है।'

एआई पर क्या बोलीं उर्वशी रौतेला

कुछ दिन पहले एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला से बॉलीवुड और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बारे में सवाल पूछे गए थे। इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा था कि एआई बॉलीवुड को प्रभावित कर रहा है, साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उन्हें हिंदी फिल्म उद्योग से प्यार है।

चुंबक में महिलाएं सिर्फ सपोर्टिंग कैरेक्टर्स नहीं हैं

मुंबई संदीपा धर ने हाल ही में बताया कि उन्हें 'चुंबक' का हिस्सा बनने के लिए क्या चीज आकर्षित कर रही थी। एक्ट्रेस के मुताबिक, शो में महिलाओं को जिस तरह से पेश किया गया है, वह इसकी खासियतों में से एक है। उनके लिए यह सीरीज कॉमेडी के उस आम फॉर्मेट से अलग है, जहां अक्सर पुरुष किरदारों को ज्यादातर कॉमिक मोमेंट्स मिलते हैं, जबकि महिलाओं को सिर्फ सपोर्टिंग रोल्स तक सीमित रखा जाता है। शो को चुनने के अपने फैसले के बारे में बात करते हुए संदीपा ने कहा, मैं इस शो को लेकर इसलिए उत्साहित थी क्योंकि इसमें महिलाओं को स्टोरियो टाइपिकल तरीके से नहीं दिखाया गया है। आमतौर पर कॉमेडी में पुरुषों के पास सारे कॉमिक पार्ट्स होते हैं, जबकि महिलाएं सिर्फ सपोर्टिंग कैरेक्टर्स होती हैं। लेकिन यहां ऐसा बिल्कुल नहीं है। उन्होंने हेली शाह द्वारा निभाए गए टिवंकल के किरदार का उदाहरण देते हुए शो के महिला किरदारों को लेकर किए गए इस अलग नजरिए की तारीफ की। संदीपा ने कहा, यहां हमारे पास टिवंकल (हेली शाह) है, जिनकी कॉमेडी शो में सबसे अव्वल है। इसके अलावा एक्ट्रेस ने पारंपरिक जेंडर रोल्स से हटकर किरदारों को पेश करने के लिए किए गए प्रयास की भी सराहना की है। उन्होंने कहा, हम महिलाओं को सिर्फ बैठकर खाना बनाते या पुरुषों को खाना परोसते हुए नहीं दिखा रहे हैं। दरअसल, आतिश ने यह बहुत सोच-समझकर किया है। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि हम पारंपरिक जेंडर रोल्स को फॉलो न करें। संदीपा के लिए स्क्रिप्ट पढ़ते समय ही इसकी राइटिंग सबसे अलग और खास लगी थी। उन्होंने आगे कहा, जब मैं स्क्रिप्ट पढ़ रही थी, तभी मुझे लगा कि किसी को महिलाओं के किरदारों को इस तरह लिखते देखना वाकई काफी रिफ्रेशिंग है। महिला किरदारों को सिर्फ पारंपरिक भूमिकाओं तक सीमित रखने के बजाय उन्हें कहानी में सक्रिय और कॉमिक स्पेस देने के साथ, चुंबक ने संदीपा को कॉमेडी का एक अलग नजरिया दिया, जो उन्हें पहली रीडिंग से ही काफी रिफ्रेशिंग लगा।

करण जौहर ने 'काँफी विद करण' के फाइनल सीजन का किया ऐलान

फिल्ममेकर और टीवी होस्ट करण जौहर का पॉपुलर सेलिब्रिटी चैट शो 'काँफी विद करण' अब अपने आखिरी पड़ाव पर पहुंच गया है। करण जौहर ने शो के फाइनल सीजन का ऐलान कर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह शो के सफर को याद करते हुए काफी इमोशनल नजर आए। करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 'मुझे लगता है कि हमें बात करनी चाहिए, काँफी पर... 'हॉटस्टार स्पेशल्स: काँफी विद करण सीजन 9' का प्रीमियर 14 अक्टूबर से जियोस्टार पर होगा।' वीडियो में करण ने शो शुरू होने के पीछे की कहानी शेयर की। उन्होंने कहा, 'यह जून 2004 की बात है, जब मैंने अपने पिता यश जौहर से कहा था कि मैं एक टॉक शो होस्ट करना चाहता हूँ। मैं दो सेलिब्रिटी या स्टार्स को बुलाकर उनके साथ खुलकर बातचीत करना चाहता हूँ। मेरे पिता ने मेरी तरफ देखा और मजाकिया अंदाज में पूछा- 'करण तुम अपने दोस्तों को बुलाकर उनसे बातें ही तो करोगे, फिर कोई इसके लिए पैसे क्यों देगा?''



हिंदी फिल्मों में बनाना सबसे जटिल

अभिनेता अजय देवगन का फिल्मी सफर तीन दशक लंबा रहा है। हाल ही में फिक्की (एफआईसीसीआई) के समारोह में शामिल होने के दौरान उन्होंने हिंदी फिल्मों बनाने को सबसे जटिल बताया। अजय देवगन हाल ही में फिक्की द्वारा आयोजित दो दिवसीय समारोह में शामिल हुए। जहां उन्होंने हिंदी सिनेमा और 1990 के दशक के एकल-स्क्रीन युग से लेकर मल्टीप्लेक्स के बढ़ते प्रभाव और अब सिनेमाघरों, स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म, शहरों, कस्बों और सोशल मीडिया में बदलाव पर बात की। उन्होंने लिखा, 'मैं किसी अन्य सिनेमा से श्रेय नहीं छिन रहा हूँ। चाहे आप इसे पारंपरिक सिनेमा कहें या अंतर्राष्ट्रीय सिनेमा मेरा मतलब है कि वहां फिल्में बनाना उतना ही मुश्किल है। लेकिन मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि हिंदी फिल्म बनाना सबसे मुश्किल है, क्योंकि आपको पता नहीं होता कि आपके दर्शक कौन हैं।' आगे अपनी बाच को स्पष्ट करते हुए अजय ने कहा, 'जब आप कोई पंजाबी फिल्म, तेलुगु फिल्म या तमिल फिल्म बनाते हैं, तो आप दर्शकों को समझते हैं। क्योंकि यह एक विशेष क्षेत्र के लिए होती है। और आप उनकी पसंद को जानते हैं। इसलिए आप उसी दर्शक वर्ग को ध्यान में रखते हैं। हिंदी फिल्म के लिए अच्छा प्रदर्शन करना, मुझे लगता है कि हर 80-90 किलोमीटर पर भाषा बदल जाती है। सोचने का तरीका बदल जाता है। फिर आप जनसमूह, वर्ग, शहरों, शहरी क्षेत्रों की बात करते हैं। आप कस्बे की बात करते हैं। अभिषेक पाठक के निर्देशन में बनी 'दुश्मन 3 : द कन्क्लूजन' में अजय देवगन फ्रैंचाइजी के मुख्य किरदार विजय सलगांवकर के रूप में वापसी कर रहे हैं।



'रिपोर्टिंग लाइव' में फील्ड रिपोर्टर बनेंगी परिणीति चोपड़ा

हुबॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा इन दिनों लगातार अलग-अलग तरह के प्रोजेक्ट्स के साथ दर्शकों के बीच अपनी जगह बना रही हैं। हाल ही में उन्होंने स्ट्रीमिंग सीरीज 'शक : ट्रस्ट नो वन' से ओटीटी पर कदम रखा और अब एक ऐसी फिल्म लेकर आ रही हैं, जिसकी कहानी पत्रकारिता, अपराध और अवैध रेत खनन की दुनिया के इर्द-गिर्द घूमेगी। फिल्म का नाम 'रिपोर्टिंग लाइव' है, जिसमें परिणीति एक फील्ड रिपोर्टर के किरदार में नजर आएंगी। फिल्म में उनके साथ शेखर सुमन, अमोल पालेकर, देवेन भोजानी और आदिल हुसैन जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। 'रिपोर्टिंग लाइव' की कहानी एक ऐसी रिपोर्टर की है, जो एक बड़ी स्टोरी की तलाश में अवैध रेत खनन के उस नेटवर्क तक पहुंचती है, जिसे एक खतरनाक रेत माफिया हर हाल में छिपाकर रखना चाहता है। जैसे-जैसे रिपोर्टर इस पूरे मामले की तह तक जाने की कोशिश करती है, उसके सामने अपराध की एक ऐसी दुनिया खुलती जाती है, जहां सच को सामने लाना आसान नहीं है। फिल्म में इसी जांच, खतरे और सच की तलाश को थ्रिलर अंदाज में दिखाया गया है। परिणीति फिल्म में एक फील्ड रिपोर्टर की भूमिका निभा रही हैं। यह किरदार उनके लिए इसलिए भी दिलचस्प है क्योंकि कहानी में रिपोर्टर सिर्फ खबर कवर करने वाली एक पत्रकार नहीं है, बल्कि वह लगातार एक ऐसे सिरम में खिलाफ आगे बढ़ती है, जो अपने

अपराधों को छिपाने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। फिल्म की कहानी में आम लोगों को भी अहम जगह दी गई है। फिल्म का निर्देशन ध्रुव त्रिपाठी ने किया है और उन्होंने मिहिर जाधव के साथ मिलकर इसकी कहानी लिखी है। ध्रुव ने फिल्म को लेकर कहा, 'मेरे लिए 'रिपोर्टिंग लाइव' की घोषणा बेहद खास है। मैं पिछले सात साल से इस प्रोजेक्ट के साथ जुड़ा हुआ हूँ। मिहिर जाधव के साथ कहानी लिखने से लेकर इसे स्क्रीन तक लाने तक का सफर मेरे लिए लंबा रहा है और अब फिल्म को दुनिया के सामने लाने का मौका भी खास अनुभव है।' ध्रुव ने कहा, 'मैं ऐसी थ्रिलर बनाना चाहता था, जो जमीन से जुड़ी और असली लगे, लेकिन कहानी के केंद्र में मौजूद आम लोगों की जिंदगी और उनकी परेशानियों को भी नजरअंदाज न करे। फिल्म की पूरी कास्ट और क्रू ने इस प्रोजेक्ट को बेहतर बनाने में अपना अहम योगदान दिया है। अब मैं चाहता हूँ कि दुनिया भर के दर्शक इस कहानी को देखें और फिल्म से जुड़ें। फिल्म की प्रोड्यूसर पार्थ किरण ठाकुर ने भी 'रिपोर्टिंग लाइव' को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, 'फिल्म की कहानी और इस बड़े स्तर पर पढ़े पर उतारने, दोनों में काफी कुछ दाव पर लगा हुआ था। टीम के पास शुरुआत से ही फिल्म को लेकर एक साफ विजन था और इसे इतने मजबूत कलाकारों के साथ पूरा होते देखना मेरे लिए बेहद संतोषजनक रहा।

द पैराडाइज़ के को-स्टार नानी के लिए राघव जुयाल ने लिखा दिल छू लेने वाला नोट

एक्टर राघव जुयाल ने अपने द पैराडाइज़ के को-स्टार नानी के लिए एक बेहद दिल छू लेने वाला नोट लिखा है। फिल्म के हाल ही में सिनेमाघरों में रिलीज होने के बीच राघव के इस इमोशनल नोट ने दोनों एक्टर्स के बीच स्क्रीन के बाहर की खास बॉन्डिंग की भी झलक दिखा दी है। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए इस नोट में राघव ने नानी को उन चुनिंदा लोगों में से एक बताया, जो बिना कुछ कहे उनके लिए एक 'सेफ प्लेस' बन गए। उन्होंने बताया कि नानी ने उनकी पर्सनल और प्रोफेशनल जर्नी में किस तरह अहम भूमिका निभाई है।

राघव ने बताया कि जब भी करियर और जिंदगी को लेकर वह किसी उलझन में रहे, नानी हमेशा उनके साथ खड़े रहे। दोनों अक्सर घंटों सिनेमा, करियर, जिंदगी और काम से आगे की तमाम चीजों पर बातें करते थे। राघव ने यह भी बताया कि नानी ने उन्हें

अपने करियर से जुड़े फैसलों को बेहतर तरीके से समझने और इंडस्ट्री में आगे बढ़ते हुए खुद को वैसा ही इंसान बनाए रखने में मदद की, जैसा वह रहना चाहते हैं। अपने इस इमोशनल नोट में राघव ने लिखा, 'जिंदगी में कुछ ही ऐसे लोग होते हैं, जो बिना जाने ही आपके लिए आपकी सेफ प्लेस बन जाते हैं। मेरे लिए नानी दादा भी उन्हीं लोगों में से एक हैं। मैंने कई बार कोशिश की है कि शब्दों में बता सकूँ कि आप मेरे लिए क्या मायने रखते हैं, लेकिन सच कहूँ तो मुझे अब भी लगता है कि शब्द कभी काफी नहीं होंगे। मैं आपसे सच में बहुत प्यार करता हूँ और आपको बहुत एडमायर करता हूँ। सिर्फ एक एक्टर या आर्टिस्ट के तौर पर नहीं, बल्कि एक इंसान के तौर पर भी। इस इंडस्ट्री में, जहां कई बार चीजें काफी अनिश्चित और शोर से भरी लगती हैं, ऐसे कई पल आए हैं जब मैं खुद को पूरी तरह खोया हुआ महसूस करता था। और पता नहीं कैसे, जब भी मैं ऐसे किसी क्रॉसरोड पर खड़ा हुआ, आप हमेशा मेरे साथ रहे, नानी दादा। दादा,

आपने मुझे बैठकर घंटों बात की है। सिनेमा के बारे में, मेरे करियर के बारे में, जिंदगी के बारे में और कभी-कभी बिना किसी खास वजह के भी। आपने मेरी बातें सुनीं और मुझे समझा। आपने मुझे कभी इस बात के लिए छोटा महसूस नहीं कराया कि मैं कन्फ्यूज्ड हूँ या इमोशनल हूँ। और हर बार आपसे बात करने के बाद मेरे दिल का बोझ थोड़ा हल्का जरूर महसूस हुआ। जिस तरह आपने हमेशा मेरे लिए जगह बनाई, मेरी बातें सुनीं और बस मेरे साथ रहे, उसके लिए शुक्रिया। कुछ लोग आपको एडवाइस देते हैं, लेकिन बहुत कम लोग ऐसे होते हैं जो आपको महसूस कराते हैं कि आपको सच में समझा गया है और साथ ही आपको एक नया पर्सपेक्टिव भी देते हैं। नानी दादा, आपने मुझे दोनों चीजें दीं। आपने मुझे समझने में मदद की कि मैं किस तरह की फिल्मों का हिस्सा बनना चाहता हूँ, कौन से चॉइसेस लेना जरूरी है और उससे भी ज्यादा जरूरी, उन फैसलों के बीच मुझे किस तरह का इंसान बने रहना है।

